संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-346 शुक्रवार,18 अक्टूबर 2024, पृष्ठ- 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

संजीव खन्ना हो सकते हैं सुप्रीम कोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश

» सीजेआई चंद्रचूड़ ने केंद्र सरकार को भेजा नाम...

नई दिल्ली,17 अक्टूबर 2024(ए)। 10 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ अपने पद से रिटायर हो रहे हैं। देश के अगले चीफ जस्टिस के लिए उन्होंने जस्टिस संजीव खन्ना का नाम केंद्र सरकार को भेज दिया है। सीजेआई सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के प्रमुख होते हैं, जो सुप्रीम कोर्ट और देश के विभिन्न हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति की सिफारिश करता है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 2 साल तक पद पर रहने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश कर दी है।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 11 नवंबर 2024 को 6 महीने के कार्यकाल के लिए मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। वह 13 मई 2025 तक अपने पद पर बने रहेंगे। इसके बाद वह रिटार हो जाएंगे।

उज्जैन की निकिता पोरवाल बनीं फेमिना मिस इंडिया 2024

अब मिस वर्ल्ड करेंगी भारत को रिप्रेजेंट

मुंबई,17 अक्टूबर 2024(ए)। मध्य प्रदेश के उज्जैन की रहने वाली निकिता पोरवाल को फेमिना मिस इंडिया 2024 का ताज पहनाया गया है। यह खिताब उन्हें 16 अक्टूबर 2024 को मुंबई के महालक्ष्मी स्थित फेमस स्टूडियो में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मिला। इस प्रतियोगिता में निकिता ने पूरे भारत से आए 30 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए ताज अपने काम की। उन्होंने राजस्थान की नंदिनी गुप्ता को रिप्लेस किया, जो 2023 में मिस इंडिया का खिताब जीत चुकी थीं।

कांग्रेस ने झारखंड चुनाव को लेकर जारी की पर्यवेक्षकों की लिस्ट

नई दिल्ली,17 अक्टूबर 2024(ए)। कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ समन्वयक, बीके हरिप्रसाद, गौरव गोगोई और मोहन मार्कम को तत्काल प्रभाव से झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। झारखंड में विधानसभा चुनावों के लिए 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। झारखंड विधानसभा में कुल 81 सीटें हैं। राज्य में चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं, जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल से बाहर आकर फिर से सीएम पद पर बने हुए हैं।

बहराइच हिंसा के दो आरोपियों का एनकाउंटर

» नेपाल भागने की फिराक में थे सरफराज और तालिब

» रामगोपाल मिश्रा की हत्या में सरफराज और तालिब आरोपी...

» आरोपी हमीद की बेटी ने जताई थी हत्या करने की आशंका...

बहराइच,17 अक्टूबर 2024 (ए)। बहराइच में मां दुर्गा के विसर्जन के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आरोपी सरफराज और तालिब का एनकाउंटर कर दिया है। यह एनकाउंटर नेपाल बॉर्डर के पास हांदा बेसारी केनल के इलाके में हुआ।जानकारी के अनुसार सरफराज और तालिब नेपाल भागने की फिराक में थे। इस बात की जानकारी मिलने पर एसटीएफ ने दोनों की घेराबंदी कर दी थी। दोनों को मुठभेड़ के दौरान गोली लगी है, जिसमें सरफराज और तालिब के पैर में गोली लगी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों अभी अस्पताल में भर्ती है।

बहराइच हिंसाः5 लोग गिरफ्तार,दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

उत्तर प्रदेश के बहराइच स्थित महाराजगंज में हुए हत्याकांड में शामिल पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसमें दो लोगों को मुठभेड़ के दौरान पैरों में गोली लगी है। दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि 13 अक्टूबर को महाराजगंज में एक युवक की गोली मार कर हत्या करने के मामले में गुरुवार को बहराइच पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया। उनके नाम मोहम्मद फहीन (नामजद), मोहम्मद तालीम उर्फ सबलू, मोहम्मद सरफराज (नामजद), अब्दुल हमीद (नामजद) और मोहम्मद अफजल हैं। डीजीपी के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों की निशानदेही पर मर्डर में प्रयुक्त हुए हथियार की बरामदगी के लिए पुलिस टीम उन्हें लेकर गई थी। इसी दौरान उन्होंने वहां रखे हथियारों से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में दोनों आरोपियों को गोली लगी है, जो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि मर्डर में इस्तेमाल किए गए हथियार को बरामद कर लिया गया है। नानपारा सीएचसी प्रभारी ने बताया कि दोपहर में दो लोग अस्पताल में लाए गए थे, जिन्हें पैर में गोली लगी है। एक के दाहिने और एक के बाएं पैर में गोली लगी है और उनकी स्थिती सामान्य है। दोनों के पैरों में अभी भी गोली फंसी हुई है, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने जब छापेमारी की तो उन्होंने हमला कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई है, जिसमें दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस द्वारा उनका उपचार कराया जा रहा है। इसके अलावा अतिरिक्त तीन लोग और गिरफ्तार किए गए हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है और घटना में शामिल अन्य अभियुक्तों की जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक की गोली लगने से मौत हुई है और जो बातें सामने आ रही हैं, वो भ्रामक हैं। इस घटना में शामिल सभी लोगों पर रासुका की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य आरोपी हमीद की बेटी का बयान

बहराइच हिंसा में मकान मालिक अब्दुल हमीद पर गोपाल मिश्रा पर गोली चलाने का आरोप है। उनकी बेटी रुखसार ने मीडिया से कहा कि कल 4 बजे मेरे पिता अब्दुल हमीद, मेरे दो भाई सरफराज, फहीम और उनके साथ एक अन्य युवक को यूपी एसटीएफ ने उठा लिया है। मेरे पति और मेरे देवर को पहले उठाया जा चुका है। उनकी किसी भी थाने से कोई खबर नहीं मिल पा रही है। हमें डर है कि उनका एनकाउंटर कर हत्या की जा सकती है।

सुबह राम गोपाल को गोली माने वाला वीडियो हुआ था वायरल

राम गोपाल मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सुबह तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में राम गोपाल झंडे को उतारकर उसको लपेट रहा था। तभी सामने से राम गोपाल के ऊपर गोली चला दी जाती है, जो सीधे उसके सीने में आकर लगती है। उसके बाद वीडियो में कुछ बच्चों की आवाज आती है, जिसमें वह मर गया...मर गया, भाग..भाग कहते हैं।

नायब सिंह सैनी ने ली हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ

» पीएम मोदी समेत कई दिग्गज रहे मौजूद

चंडीगढ़,17 अक्टूबर 2024(ए)। नायब सिंह सैनी ने दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा समेत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और देशभर के 18 राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी की शानदार हैट्रिक के बाद नायब सिंह सैनी 2.0 का कार्यकाल शुरू हो चुका है। सैनी ने आज पीएम नरेंद्र मोदी और एनडीए के बड़े नेताओं की मौजूदगी में लगातार दूसरी बार सीएम पद की शपथ ली। अनिल विज इस बार बतौर मंत्री सैनी सरकार में शामिल हुए हैं।

नायब सैनी सरकार के मंत्रियों की पूरी लिस्ट

नायब सिंह सैनी,अनिल विज,विपुल गोयल,महिपाल ढांडा, श्रुति चौधरी, राव नरबीर,आरती राव, गौरव गौतम,अरविंद शर्मा,श्याम सिंह राणा, कृष्ण कुमार बेदी, कृष्ण लाल पंवार, रणवीर गंगवा, राजेश नागर।

हरियाणा में नई सरकार का शपथग्रहण,सीएम सैनी के साथ 14 मंत्रियों ने ली शपथ

हरियाणा में नई सरकार का शपथ ग्रहण पूरा हो गया है। बीजेपी विधायक अनिल विज ने हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। बीजेपी विधायक आरती सिंह राव, राजेश नागर, गौरव गौतम ने हरियाणा सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। भाजपा विधायक अरविंद कुमार शर्मा, श्याम सिंह राणा, रणबीर सिंह गंगवा और कृष्ण बेदी ने हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा विधायक कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, महिपाल ढांडा और विपुल गोयल ने हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। पीएम मोदी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

कई राज्यों के राज्यपालों में बदलाव की तैयारी

» राम माधव हो सकते हैं जम्मू और कश्मीर के नए उपराज्यपाल

नई दिल्ली,17 अक्टूबर 2024 (ए)। केंद्र सरकार जल्द ही उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों के राज्यपालों में बदलाव कर सकती है। यह फेरबदल अक्टूबर या नवंबर के अंत में हो सकता है, जिसमें उन नामों पर विचार किया जाएगा जिन्होंने पहले 3 से 5 वर्षों तक सेवाएं दी हैं।

, यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कई राज्यपाल और उपराज्यपाल लंबे समय से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, केरल, जम्मू और कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव शामिल हैं। जम्मू और कश्मीर में हाल ही में राज्य सरकार ने अपना कार्यभार संभाला है।

संभावित नए नाम

रिपोर्ट के अनुसार, अटकलें हैं कि जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की जगह भारतीय जनता पार्टी के पूर्व महासचिव राम माधव को नियुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को भी नई भूमिका में देखा जा रहा है। अंडमान और निकोबार के उपराज्यपाल देवेंद्र कुमार को भी केरल या जम्मू और कश्मीर में नई जिम्मेदारी दी जा सकती है, जो अक्टूबर 2017 से राज्यपाल हैं। सूत्रों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर तथा हरियाणा में नई सरकार के गठन या झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बाद फेरबदल किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, लोकसभा चुनावों से दूर रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को भी राज्यपाल या उपराज्यपाल बनाया जा सकता है, जिनमें अश्विनी चौबे, वीके सिंह और मुख्तार अब्बास नकवी जैसे नाम शामिल हैं।

3-5 साल से अधिक समय से पद पर रहने वाले राज्यपाल

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत और गुजरात के आचार्य देवव्रत 3 साल से अधिक समय से इस पद पर हैं। गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई और हरियाणा के गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय 15 जुलाई 2021 से कार्यरत हैं। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल और उत्तराखंड के गुरमीत सिंह भी 3 साल से अधिक समय से इस पद पर हैं।

नागरिकता कानून की धारा 6ए वैध करार दी गई

नई दिल्ली,17 अक्टूबर 2024 (ए)। नागरिकता कानून की धारा 6 ए की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। कोर्ट ने नागरिकता कानून की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। इस फैसले में कुल तीन जजमेंट हैं। जस्टिस पारदीवाला का अलग जजमेंट है। बहुमत के फैसले से धारा 6ए वैध करार दी गई है। सीजेआई जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने 6ए में भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन के लिए दी गई 25 मार्च 1971 की कट ऑफ डेट को भी सही ठहराया।

चीफ जस्टिस ने की ये टिप्पणी

चीफ जस्टिस ने कहा कि केंद्र सरकार इस अधिनियम को अन्य क्षेत्रों में भी लागू कर सकती थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया। क्योंकि यह सिर्फ असम के लिए था। क्योंकि असम के लिए यह व्यावहारिक था। सीजेआई ने कहा कि 25 मार्च, 1971 की कट ऑफ डेट सही थी। स्वतंत्रता के बाद पूर्वी पाकिस्तान से असम में अवैध प्रवास भारत में कुल अवैध प्रवास से अधिक था। यह इसकी मानदंड की शर्त को पूरा करता है। धारा 6ए न तो कम समावेशी है और न ही अति समावेशी है।

जिनको नागरिका मिली है वह बरकरार रहेगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उस वक़्त पूर्वी पाकिस्तान से असम आने वाले लोगों की तादाद आजादी के बाद भारत आने वाले लोगों से कहीं ज़्यादा है। कोर्ट के फैसले का मतलब है कि 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक बांग्लादेश से आने वाले अप्रवासी भारतीय नागरिकता के लायक हैं। जिनको इसके तहत नागरिकता मिली है उनकी नागरिकता बरकरार रहेगी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी...

ढाका ,17 अक्टूबर 2024 (ए)। बांग्लादेश। बांग्लादेश की एक स्थानीय अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जो 5 अगस्त को भारत भाग गई थीं। यह वारंट इस साल जुलाई और अगस्त में हुए बड़े छात्र प्रदर्शनों के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से संबंधित है। आज न्यायिक कार्यवाही की औपचारिक शुरुआत के बाद गिफ्तारी वारंट जारी किया।

किश्तवाड़ में आग से हुई त्रासदी में 68 घर जलकर खाक

» पीड़ितों ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

किश्तवाड़,17 अक्टूबर 2024 (ए)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के मुलवाड़वान गांव में मंगलवार दोपहर लगी आग में 68 घर जलकर खाक हो गए। इस हादसे के बाद पीड़ितों ने मदद की गुहार लगाई है, उनका कहना है कि उनका अधिकांश सामान जलकर राख हो गया है। यह बहुत कठिन समय है। सरकार को हमारी मदद करनी चाहिए। स्थानीय लोग राहत सामग्री और सरकार से सहायता की उम्मीद कर रहे हैं।खादमी चनवानी ने बताया कि आग ने पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लिया था। किसी का कुछ भी नहीं बचा, सब कुछ जलकर राख हो गया। उन्होंने आगे कहा कि लोग रोते-बिलखते हुए खेतों में रहने को मजबूर हैं। किसी के पास कुछ नहीं बचा है। दमकल की टीम के पहुंचने तक पूरा गांव जलकर खाक हो चुका था।

दमकल की गाड़ी को यहां आने में 6 घंटे लगे, स्थिति बहुत ही भयानक थी। इस हादसे के बाद पीड़ितों ने मदद की गुहार लगाई है। आपने खुद बाजार में देखा है, इस गांव की हालत बहुत ही खराब है। लगभग 70-75 घरों को नुकसान हुआ है। हमने बहुत कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया।उन्होंने आगे कहा कि हम पिछले दस साल से सरकार से मांग कर रहे हैं कि यहां पर फायर सर्विस की गाड़ियां होनी चाहिए। हमारी सबसे पहली मांग यही है कि यहां दो फायर सर्विस गाड़ियां और एक एम्बुलेंस होनी चाहिए। अगर यह सेवाएं होती, तो इतने घर नहीं जलते। जब फायर सर्विस की गाड़ियां आईं,तब तक पूरा गांव जल चुका था। हमारी गुजारिश है कि प्रभावित परिवारों को आर्थिक लाभ दिया जाए,उनके लिए आवास की व्यवस्था की जाए, क्योंकि बर्फबारी का मौसम आने वाला है।

जहरीली शराब से 29 लोगों की अब तक मौत, 50 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर

पटना,17 अक्टूबर 2024(ए)। बिहार जहरीली शराब एक बार फिर मौत का जाम बन गया। जहरीली शराब 29 लोगों की मौत की खबर आ रही है। घटना बिहार के सीवान में सामने आयी है, जहां जहरीला पेय पदार्थ पीने से मरनेवालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गुरूवार की सुबह तक मृतकों की संख्या 29 पहुंच चुकी है, जिनमें से 23 लोगों का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया गया है।अन्य कई मौतों का अधिकारिक आंकड़ा इसलिए सामने नहीं आ पाया है, कि पुलिस को सूचना दिये बिना ही परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है। ऐसे मृतकों की

संख्या आधा दर्जन से अधिक है। इस बीच जहरीले पेय पदार्थ से पीड़ित 50 से अधिक लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जिसमें सदर अस्पताल में सर्वाधिक संख्या है। हालांकि, प्रशासन इस पर कुछ भी बोलने से इनकार कर रहा है. इनमें से अधिकांश लोगों की आंखों की रोशनी चली गयी है. इधर घटना के उजागर होने के बाद से पुलिस की छापेमारी जारी है. जिसमें 9 लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है. वहीं आधा दर्जन से अधिक संदिग्ध लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

संपादकीय

कहीं गरम,नहीं नरम

निज्जर हत्याकांड में कनाडा के हाथ ओटवा स्थित भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और कई अन्य राजनयिकों तक पहुंचते दिखे। उसने इन राजनयिकों को पर्सन्स ऑफ इंटरेस्ट घोषित कर दिया। कनाडाई कानून में पर्सन ऑफ इंटरेस्ट उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके पर किसी अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत तो ना मिला हो, लेकिन शक हो कि संबंधित व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। इसलिए उससे पूछताछ या उसकी जांच की जरूरत जांचकर्ता महसूस करते हों। कनाडा ने भारत से कहा कि इन राजनयिकों को मिला कूटनीतिक अभयदान वह हटा दे, ताकि उनके खिलाफ जांच हो सके। भारत ने इससे इनकार करते हुए कनाडा-खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रुडो के खिलाफ बेहद सख्त बयान जारी किया।अमेरिकी मीडिया के मुताबिक तब कनाडा ने वर्मा सहित छह नागरिकों को निष्कासित कर दिया, हालांकि भारत ने एलान किया कि उसने उन्हें वापस बुलाया है। बदले में भारत ने नई दिल्ली स्थित छह कनाडाई राजनयिकों को निकाल दिया। दूसरी तरफ खबर है कि अमेरिका स्थित खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में भारतीय जांचकर्ताओं ने अमेरिकी मांग के मुताबिक कथित सीसी-1 की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया है। जांच में प्रगति की सूचना देने एक भारतीय दल अमेरिका पहुंच रहा है। मगर पेच यह खबर है कि कनाडा में मारे गए खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप निज्जर के मामले में भी अमेरिका ने कनाडा सरकार के रुख का समर्थन किया है।खबरों के मुताबिक अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने साझा तौर पर इन दोनों मामलों में भारतीय अधिकारियों से कई दौर की वार्ता की है। अमेरिका और कनाडा फाइव आईज समझौते का हिस्सा हैं, जो आपस में साक्ष्य साझा करते हैं। इसलिए भारत सरकार का पन्नू और निज्जर मामलों में अलग-अलग रणनीति अपनाना संभवतः दीर्घकाल में कारगर ना हो। दोनों मामलों में भारत पर एक जैसे इल्जाम लगे, जिनका खराब असर भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ा है। इससे विदेश नीति में अमेरिकी धुरी को प्राथमिकता देने की नरेंद्र मोदी सरकार की रणनीति को झटका लगा है। इस मुश्किल से वह कैसे उबरती है, भारत की भावी अंतरराष्ट्रीय भूमिका काफी कुछ इस पर निर्भर करेगी।

खाद्यान्नों की महंगाई नहीं रूक रही

एक बार फिर सरकार की ओर से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई पर आधारित महंगाई दर के आंकड़े जारी हुए हैं और एक बार फिर कहा गया है कि खाने पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से खुदरा महंगाई दर बढ़ी है। जब भी महंगाई दर बढ़ती है तो लगभग हर बार यही कारण होता है कि खाने पीने की चीजों की कीमतें बढ़ी हैं। इस बार जो आंकड़ा आया है यानी सितंबर, 2024 का उसमें कहा गया है कि खाने पीने की महंगाई दर 5.66 फीसदी से बढ़ कर 9.24 फीसदी हो गई। इसी वजह से सितंबर महीने की खुदरा महंगाई दर अगस्त के 3.65 फीसदी से बढ़ कर 5.49 फीसदी हो गई।जाहिर है अगस्त में भी खुदरा मंहगाई दर बढने में खाद्यान्नों की महंगाई का ही हाथ था क्योंकि महंगाई दर के आकलन में खाने पीने की चीजों का हिस्सा 50 फीसदी होता है। बहरहाल, सितंबर में तो खाने पीने की चीजों की कीमतों ने रिकॉर्ड ही तोड़ दिया। खाने पीने की चीजों की महंगाई 9.24 फीसदी यानी दहाई के करीब पहुंच गई। इसमें सबसे ज्यादा महंगाई सब्जियों की कीमत में दिखी, जो अगस्त के 11 फीसदी से बढ़ कर सितंबर में 36 फीसदी पहुंच गई। सोचें, सितंबर के महीने में सब्जियों की कीमत 36 फीसदी बढ़ी है! सितंबर में महंगाई दर मासिक आधार पर करीब दो फीसदी और सालाना आधार पर करीब एक फीसदी ज्यादा रही है।इस आंकड़े से सबसे पहला सवाल जो दिमाग में आता है वह ये है कि क्या खाने पीने की चीजों का उत्पादन कम हो रहा है या उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कुछ गड़बड़ी है, जिसकी वजह से इन वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है? ध्यान रहे अर्थशास्त्र का सामान्य नियम है कि मांग और आपूर्ति में अंतर से कीमतें घटती या बढ़ती हैं। मांग कम है और आपूर्ति ज्यादा तो कीमत कम होगी और अगर आपूर्ति कम है तो कीमत बढ़ेगी। लेकिन खाने पीने की चीजों के मामले में इसका उलटा हो रहा है। देश में खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हो रहा है। खाने पीने की हर चीज का उत्पादन बढ़ रहा है। इसके बावजूद कीमतें कम होने की बजाय लगातार बढ़ रही हैं। इसका मतलब है कि आपूर्ति श्रृंखला में कहीं न कहीं गड़बड़ी है या जमाखोरी के जरिए कृत्रिम तरीके से कीमतें बढ़ाई जा रही हैं।अगर ऐसा है तो यह बहुत बड़ा संकट है और इससे देश की खाद्यान्न सुरक्षा खतरे में पड़ेगी। सरकार को जग जाना चाहिए और इसे तत्काल रोकने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि कृत्रिम तरीके से कीमतें बढ़ती हैं तो किसान और आम उपभोक्ता दोनों घाटे में रहते हैं और बिचौलिए या जमाखोरों को फायदा होता है। अगर कीमतें काबू में नहीं आती हैं तो केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती संभव नहीं हो पाती है और ऊंची ब्याज दर का असर विकास दर पर होता है। इसका मतलब है कि कृत्रिम महंगाई किसान, उपभोक्ता और

देश की अर्थव्यवस्था तीनों के लिए ठीक नहीं है।कृत्रिम महंगाई को लेकर सबसे पहले सब्जियों की ही बात करें तो यह सही है कि इस साल सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है लेकिन कहीं भी बारिश से फसल बरबाद होने की खबर नहीं आई है। फिर भी सितंबर में सब्जियों की महंगाई 36 फीसदी बढ़ी है। इस आंकड़े की बारीकी में जाएं तो पता चलेगा कि सबसे ज्यादा महंगाई प्याज और टमाटर की बढ़ी है। प्याज और टमाटर दोनों की कीमत 78 फीसदी की दर से बढ़ी है। यानी सब्जियों की महंगाई जिस दर से बढ़ी है उससे दोगुनी दर से प्याज और टमाटर की कीमत बढ़ी है। सब्जियों की थोक महंगाई भी लगभग 50 फीसदी की दर से बढ़ी है। जब फसल बरबाद नहीं हुई और उत्पादन कम नहीं हुआ तो आखिर इनकी कीमतों में इतनी बढ़ोतरी कैसे हुई? ध्यान रहे सरकार का अपना आंकड़ा है कि पिछले एक दशक से आलू, प्याज और टमाटर इन तीनों सब्जियों का उत्पादन भारत में रिकॉर्ड दर से बढ़ रहा है। प्याज के उत्पादन में तो चीन को पीछे छोड़ कर भारत पहले नंबर पर आ गया है और आलू व टमाटर के उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। फिर भी इनकी कीमत कम नहीं हो रही है। ऐसा भी नहीं है कि भारत के लोग पहले से ज्यादा आलू, प्याज और टमाटर खाने लगे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में लोगों के मासिक खर्च में सब्जियों का हिस्सा पिछले एक दशक से तीन से चार फीसदी पर ही स्थिर है। जहां तक निर्यात की बात है तो भारत में आलू और टमाटर का जितना उत्पादन होता है उसका महज दो फीसदी निर्यात होता है। प्याज का निर्यात जरूर थोड़ा ज्यादा होता है। लेकिन वह भी 10 फीसदी से कम ही है। इसका मतलब है कि उत्पादन बढ़ रहा है, घरेल खपत नहीं बढ़ रही है, निर्यात भी स्थिर है फिर भी कीमतें बढ़ रही हैं! ऐसा नहीं है कि यह स्थिति सिर्फ सब्जियों के मामले में है। दूसरे खाद्यान्नों में भी यही स्थिति है। गेहूं और धान की भी रिकॉर्ड पैदावार हो रही है लेकिन इनकी कीमतें भी कम नहीं हो रही हैं। इस साल 11.30 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ, जो पिछले साल के 11 करोड़ टन से ज्यादा है। यह अलग बात है कि इस साल सरकारी खरीद कम रही। किसानों ने सरकार को गेहूं नहीं दिया तभी सरकार सिर्फ 266 लाख टन ही गेहूं खरीद सकी, जबकि लक्ष्य 320 लाख टन खरीद का था। सरकार के गोदाम में गेहूं कम आए इसका मतलब है कि बाजार में निजी कारोबारियों ने ज्यादा गेहूं खरीदा और उसका भंडारण किया और कृत्रिम तरीके से महंगाई बढ़ाई। सितंबर तक गेहूं की कीमतों में प्रति क्विंटल एक सौ रुपए तक की बढ़ोतरी हो चुकी है और आटे की कीमत भी तीन से चार रुपए किलो तक बढ़ी है। इसका असर अगस्त में सभी ब्रांड के ब्रेड्स पर पड़ा और उनकी कीमतें बढ़ गईं।अब इसी से जुड़ा यह अहम सवाल यह है कि खाने पीने और सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो क्या इसका फायदा किसान को होता है? इसका जवाब पिछले ही दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने दिया है। रिजर्व बैंक ने बताया है कि आलू, प्याज और टमाटर पर हम लोग यानी एक सामान्य उपभोक्ता जितना खर्च करता है उसका एक तिहाई हिस्सा यानी 33 फीसदी ही किसानों को मिलता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक लगभग इतना ही पैसा आढ़तिए यानी थोक व्यापारी ले जाते हैं। इसके बाद रेहड़ी, पटरी वाले या सब्जियों के खुदरा व्यापारियों को एक तिहाई हिस्सा मिलता है। सोचें, सुदामा पांडेय धूमल' की कविता पर! एक आदमी रोटी बेलता है, एक आदमी रोटी खाता है, एक तीसरा आदमी भी है, जो न रोटी बेलता है, न रोटी खाता है, वह सिर्फ रोटी से खेलता है, मैं पूछता हूं- यह तीसरा आदमी कौन है, मेरे देश की संसद मौन है। वह तीसरा थोक और खुदरा व्यापारी है, जिसकी जेब में सारे पैसे जा रहे हैं। किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत नहीं मिल रही है और उपभोक्ता के ऊपर खाने पीने की चीजों की महंगाई का बोझ भी बढ़ रहा है। इसे दुरुस्त करने के लिए तत्काल भंडारण की पुख्ता व्यवस्था करनी होगी, बिचौलियों पर लगाम लगानी होगी और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करना होगा।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बाल कहानी:मन्नत के पौधे

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

शिशिर नदी के किनारे बैठा था। आज उसका मन हमेशा की तरह बहुत विचलित था। थोड़ी देर बाद उसे एक संत नदी की ओर आते हुए दिखाई दिया। वे शिशिर के पास आ कर बैठे।

शिशिर संत को बड़ी अचरज भरी निगाहों से देखने लगा। संत समझ गए कि यह बालक कुछ परेशान है।

संत ने शिशिर से पूछा- बालक ! तुम कुछ चिंतित दिखाई दे रहे हो ?

शिशिर नतमस्तक होकर बोला- हे संत शिरोमणि ! हाँ, सचमुच मैं बहुत चिंतित हूँ। मुझे अपने कुछ प्रश्नों के उत्तर नहीं मिल रहे हैं।

संत शिशिर के सर पर हाथ रखते हुए बोले- वत्स ! इस संसार में ऐसा कोई प्रश्न नहीं है, जिसका उत्तर न हो। प्रश्नों के साथ ही उत्तर की व्युत्पत्ति होती है। बस, हमें प्रश्न का उत्तर ढूँढने आना चाहिए। आखिर प्रश्न क्या है तुम्हारा ? बताओ।

शिशिर ने संत के समक्ष अपनी बात रखी- मैं कुछ ऐसा काम करना चाहता हूँ, जो कुछ अलग हो।

क्या अलग सा काम करना चाहते हो ? संत शिशिर की ओर हाथ बढ़ाते हुए बोले।

शिशिर कहने लगा-नवरात्रि प्रारंभ होने वाली है। श्रद्धा-भक्ति के इस अवसर पर देवी-देवताओं को बेजुबान पशुओं की बलि चढ़ाई जायेगी। इसे मैं रोकना चाहता हूँ। इसके लिए मुझे आपका मार्गदर्शन चाहिए।

हाथ जोड़े हुए शिशिर को देख संत ने कहा- बस ! इतनी सी बात ! इसके लिए तुम जो कुछ भी करना चाहते हो, स्वयं ही शुरुआत करो।

वो कैसे संत श्री ! बताइए न। शिशिर के मुखमंडल पर प्रसन्नता की लालिमा सी दिखाई दी।

संत बोले- पुत्र ! नवरात्रि के प्रथम दिवस से ही पौधा लगाना प्रारंभ कर दो।

फिर क्या होगा संतश्रेष्ठ ? शिशिर के माथे पर सिकनभरा प्रश्न उठा।

पहले मेरी बातें सुनो बालक। संत ने शिशिर को बीच में ही टोकते हुए कहा- एक तख्ती में मन्नत का पौधा लिख कर पौधे पर बाँध दो। फिर जो भी कार्य तुम करना चाहते हो वह पूर्ण हो जायेगा।÷ संत वहाँ से प्रस्थान कर गये।

दूसरे दिन शिशिर ने अपने घर के सामने एक पौधा लगाया और संत के कहे अनुसार पौधे का देखभाल करने लगा। गाँव के एक व्यक्ति ने शिशिर से पूछा- अरे शिशिर ! ये क्या लिखे हो पौधे पर।

मन्नत का पौधा ? शिशिर मुस्कुराते हुए बड़ी विनम्रतापूर्वक बोला-जी काका जी। मैंने देवी माँ से जो मन्नत माँगी थी, वो पूर्ण हुई। सो उसकी याद में मैंने एक पौधा लगाया है, और लिखा है- मन्नत का पौधा।

अरे... ! देवी माँ से मन्नत माँगने पर तो हम बकरे की बलि देते है न ? और ये जरूरी भी तो है। तुम्हारा यह सब क्या है ?

काका जी के पेट में शिशिर की बात कुछ पच नहीं रही थी। उसने शिशिर की पौधे की मन्नत वाली बात एक दूसरे व्यक्ति से कही। बात दूसरे से तीसरे व्यक्ति के पास चली गयी। इस तरह बात पूरे गाँव में जंगल की आग की तरह फैल गयी। दो-तीन दिन बाद गाँव वाले शिशिर के घर जा पहुँचे।

एक दिन सूर्योदय के समय शिशिर पौधे पर पानी डाल रहा था कि पीछे शोरगुल सुन रूक गया; और पूछा कि आप सभी यहाँ कैसे।

हुजूम में से एक बुजुर्ग बोले बेटा शिशिर हम सभी बेवकूफ हैं क्या, जो तेरे झाँसे में आ जाएँगे।

कैसी बातें कर रहे हैं दादा जी आप ? मैं कुछ समझा नहीं। शिशिर ने कहा।

अरे बेटा, हम हर साल देवी माँ को बकरे की बलि देकर मन्नतें पूरी करते हैं; और तुम इसे बदलना चाहते हो ? पता नहीं, आजकल के तुम युवा हमारे रीति-रिवाजों को क्यों बदलना चाहते हो ? और ऐसा करना देवी माँ का अपमान नहीं है ? बुजुर्ग का स्वर तीखा हो चुका था।

शिशिर ने बड़े ही कोमल स्वर में जवाब दिया-माफ कीजिएगा दादा जी ! मैंने यह बात न तो किसी को बताई है; और न हीं किसी को बताना चाहता हूँ। बस मुझे अपने फायदे के लिए किसी बेजुबान की जान लेना अच्छा नहीं लगता। अपनी मन्नत के लिए एक पौधा लगा रहा हूँ।

काका जी बोले-क्या सच में एक पौधे लगाने से तुम्हारी मनोकामना पूरी हो गई ?

जी काका जी। संसार में हर जीव देवी माँ की ही संतान हैं, तो भला वह अपने ही बच्चों की बलि कैसे लेंगी। गाँव के लोगों पर शिशिर की बातों का धीरे-धीरे असर पड़ने लगा।

तभी एक व्यक्ति मुँह बनाते हुए बोला- अरे भाई, मैं हर साल मन्नत माँगने से पहले एक बकरे की बलि देता हूँ। हर साल दस-बीस हजार खर्च करता हूँ; और तुम एक पौधे से ही अपनी मन्नत पूरी होने की बात कर रहे हो। तुम एक बेवकूफ हो, या फिर हमें बेवकूफ बना रहे हो।

थोड़ी देर बाद बुजुर्ग व्यक्ति बड़े क्रोधित स्वर में बोले-ठीक है शिशिर ! हम भी देखते हैं। यदि तुम्हारी बातें सच नहीं हुई तो इस पौधे को उखाड़ कर फेंकूँगा।

ठीक है दादा जी। और हाँ दादा जी सिर्फ मेरे पौधे उखाड़ने या बदला लेने की भावना से माँ को कुछ नहीं बोलना। शिशिर ने कहा।

दादा जी मूँछे ऐंठते हुए वहाँ से चले गए। गाँव वाले भी प्रस्थान कर गये। कुछ लोग तो अपनी अंधविश्वास व दकियानूसी बातों पर अडिग रहे। कुछ लोगों को शिशिर की बातें भा गयी; उन्होंने भी एक-एक पौधा लगाना प्रारंभ किया।

कुछ दिन बाद उस बुजुर्ग व्यक्ति ने सच्चे मन से माता के दरबार में अपनी इच्छा रखी। उनकी बरसों की इच्छा आज पूर्ण हुई। वे फूले नहीं समा रहे थे। गाँव में घोषणा कर दी कि इस नवरात्रि से हम सब वचन देते हैं कि कभी किसी बेजुबान पशु-पक्षी की जान नहीं लेंगे। उनके स्थान पर मन्नत का पौधा लगाएँगे। और उसकी रक्षा करेंगे।

इस तरह देवी माँ के सामने सभी नतमस्तक होकर क्षमा माँगने लगे। और शिशिर को बुजुर्ग व्यक्ति बड़े गर्व के साथ कहने लगे कि आज शिशिर न होता, तो हमारा पाप बढ़ता ही जाता। हमें गर्व है बेटा तुम पर। परलोक गमन करने से पहले ही तुमने हमारी आँखें खोल दी। आज शिशिर बहुत खुश था। वह मन ही मन संत के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहा था। गाँव में सर्वत्र हरे-भरे पेड़-पौधे अंगड़ाई लेते हुए हवा के साथ झूम रहे थे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सप्त सुवासित धाराएँ सहेजे नदी बहने लगी है...

प्रमोद दीक्षित
मलय
बांदा,
उत्तरप्रदेश

नदियाँ जीवन का आधार हैं। सुखद शुभ स्रोत हैं, जीवन का उत्स हैं। नदियों के निकट ही मानव सभ्यता जन्मी, पल्लवित पुष्पित हो विकसित हुई। बस्तियां बसीं। नदियों ने ही प्राणिमात्र में जीवन का संचार किया। कहीं हरित कानन विकसित हुए तो कहीं सुरभित सुमनों के महकते उपवन मुसकाए। पशु-पक्षियों ने नदी नीर से जीवन रस लिया। नदी की जलधार ने अनगढ़ प्रस्तर को घिस-घिस शालिग्राम का देव रूप दे पूजनीय बना दिया। नदियों के तट मेलों के साक्षी बने और विद्वत समाज के विचार-विमर्श के दर्शक भी। विश्व की पहली कविता नदी के जल प्रवाह के मध्य ही प्रकट हुई जब तमसा नदी के तट पर मिथुनरत युगल क्रौंच (सारस) पक्षी में से एक नर पक्षी का किसी बहेलिया द्वारा वध कर देने पर आदि कवि ऋषि वाल्मीकि के मुख से अनायास सहज ही विश्व का प्रथम छंद प्रकट हुआ-

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वती समाः।
यत्क्रौंच मिथुनादेकमवधी काममोहितम्।

नदी की जलधार के बीच प्रस्फुटित हुई कविता की यह यात्रा अद्यावधि गतिमान है। भाषा विकास क्रम संस्कृत, पालि प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट से उपजी हिंदी की खड़ी बोली तक काव्य रचना के इस सफर को इतिहासकारों ने चार युगों में विभाजित कर अध्ययन एवं शोध हेतु सुगम एवं सहज ग्राह्य बना दिया। प्रथम युग वीरगाथा काल में राज्याश्रय प्राप्त कर कवियों ने राजा के शौर्य-पराक्रम की सराहना कर रानी एवं राजकुमारियों के श्रांगारिक वर्णन में शब्द संपदा अर्पित की। युद्धों के लोमहर्षक अतिशयोक्ति पूर्ण वर्णन एवं अलंकार से सज्जित कविता चंदबरदाई, जगनिक, नरपति नाल्ह आदि की कंठहार बनी। भक्ति काल में भक्त कवियों ने ईश्वर के सगुण एवं निर्गुण रूप की चर्चा कर भाव शब्द सुमन अर्पित किए। कबीर, दादू, नानक निर्गुण धारा के ध्वजवाहक बने तो तुलसी, सूरदास, मीराबाई सगुण साकार ब्रह्म के उपासक सिद्ध हुए। रीतिकाल में श्रृंगार रस की प्रधानता के साथ ही लक्षण ग्रंथों की रचना हुई। केशवदास, बिहारी युग के प्रतिनिधि कवि हुए किंतु रीति के विरुद्ध अपवाद स्वरूप महाकवि भूषण ने वीर रस का परचम थाम शिवाजी और वीर छत्रसाल का प्रशस्ति गायन किया। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने आधुनिक कविता की नींव रखी। तब से कविता ने स्वयं को कई रूपों में ढाल ब्रज और खड़ी बोली के शब्दों के रथ पर सवार हो रचना पथ पर गतिशील हुई। भारतेंदु एवं द्विवेदी युग से बढ़ छायावाद के रहस्यवादी विधान से मुक्त हो कविता प्रयोगवादी बनी। वह प्रगतिशील कविता, नई कविता, अकविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता के नाम से जानी गई। इसी युग में कविता में छंद के बंधन टूटे और कविता छंद मुक्त हो गद्य कविता की संज्ञा से अभिहित हो जन पक्षधरता की डोर पकड़ हाशिए पर अवस्थित आम जन की पीर, कसक, वेदना एवं अभावों की अभिव्यक्ति का मध्यम बनी। नदी बहने लगी है इस दिशा में एक नवल रचनात्मक प्रयास है जिसकी धारा में कविता के विभिन्न पुष्प अपनी

चमक, सुवास और रस का सत्व ग्रहण किए पाठक को डुबकी लगाने का आह्वान करती कविता का रसास्वादन करा रही है। वास्तव में कविता वही बड़ी है जो व्यक्ति को विचार के धरातल पर स्थापित करती है, पाठक को बदलने की सामर्थ्य रखती है। वह पाठक के सम्मुख अर्थ के नवल आयाम प्रकटाती हुई चिंतन का धरातल उपस्थित करती है। कविता जीवन एवं प्रकृति साहचर्य है, साक्षात्कर है, समन्वय है। इस संग्रह की कविताएँ इसी दिशा में कदम बढ़ाती दिखती हैं।

शिक्षक एवं साहित्यकार दुर्गेश्वर राय द्वारा संपादित प्रस्तुत साझा संग्रह नदी बहने लगी है में दर्शन, प्रेम, भक्ति, नीति, श्रम, प्रकृति एवं वात्सल्य की सप्त सुवासित अंतर्धाराएँ प्रवहमान है। इसमें बेसिक शिक्षा में कार्यरत 48 रचनाधर्मी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की रचनाओं को स्थान मिला है। ये रचनाकार मुख्यतः कवि या कवयित्री नहीं हैं बल्कि बाल देवो भव के उपासक शिक्षा साधक हैं। स्वभावतः रुचि के कारण कविता लेखन उनकी आत्माभिव्यक्ति का माध्यम बना है जिसमें उनका वह अवलोकन प्रकट हुआ है जो बहुधा दूसरों से देखने में छूट जाता है। उनके अवलोकन की हद में वे तमाम मुद्दे शामिल हैं जो जीवन, प्रकृति एवं दुनिया के सौन्दर्य के लिए आवश्यक हैं। भावपक्ष में समर्थ, सबल ये रचनाएँ पाठक को ताजगी तो देंगी ही साथ ही सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध भी कराएँगी। ये रचनाकार भविष्य के श्रेष्ठ साहित्यिकों में गण्य होंगे, ऐसा विश्वास है।

नदी बहने लगी है की पावन धारा से कुछ निर्मल रजत बूँदें यहाँ साझा करना चाहूँ तो सीमा मिश्रा का गीत सांसारिक नश्वरता एवं क्षण भंगुरता की ओर संकेत करता, अभिमान के त्याग एवं जीवन में प्रीति को स्थापित करता है। कविता में प्रतिरोध का स्वर आवश्यक है, वह चुप्पी के विरुद्ध संघर्ष का शंखनाद है। यही स्वर अनीता यादव की रचना में सुनाई देता है। शिक्षक की चुनौतियाँ हर युग में रही हैं पर वह व्यक्ति एवं राष्ट्र निर्माण की साधना में अनथक लीन है। विंध्येश्वरी प्रसाद विंध्य इन्हीं चुनौतियों से जूझ अपनी साधना का राग प्रकट करते हैं। भारतीय लोक जीवन में माँ का स्थान सर्वोपरि है। विनीत कुमार मिश्रा, अनुराधा दोहरे, डा. अरविंद द्विवेदी, कमलेश कुमार पांडेय ने माँ के प्रति अपने शब्द सुमनों का श्रद्धा-अर्घ्य अर्पित किया है। दीप्ति राय दीपांजलि एक मजदूर की विवशता एवं पीर को आशियाना में चित्रांकित करती हैं वहीं कविता सिंह ने समाज में स्त्री के प्रति दृष्टिकोण को स्त्री का आत्म संवाद में व्यक्त किया है। गुंजन भदौरिया एक कन्या भ्रू ण के माध्यम से माँ से संवाद कराती दिखती हैं तो मीनाक्षी सिंह की रचना मेरे पापा एक प्रकार से दुनिया के सभी पिता के प्रति संतान का विनम्र स्मरण है। सुमन कुशवाहा इस जग को स्वर्ग सम सुंदर बनाने का आह्वान करती हैं तो वहीं डॉ. श्रवण कुमार गुप्त एवं हिना नाज़ शिक्षा के महत्व पर कविता रचते दिखे हैं। निशी श्रीवास्तव, रीतिका मिश्रा, वत्सला मिश्रा, शालिनी सिंह एवं अमिता सचान ने बचपन का खाका खींचा है तो मंजू वर्मा जीवन में धूप और छांव के चित्र उकेरती हैं। चंद्रशेखर मित्र दोहे रच नीति की राह दिखाते हैं तो सुरेश अकेला क्रांतिकारियों के शौर्य एवं बलिदान को नमन करते हैं। विनीता सिकरौदिया ने एक नदी के दर्द को स्वर दिया है, काश! हम नदी की उस पीर का स्वर सुन पायें।

वाल्मीकि कृत,राम दर्शन का जीवंतमान

घटती-घटना
हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट (मध्यप्रदेश)

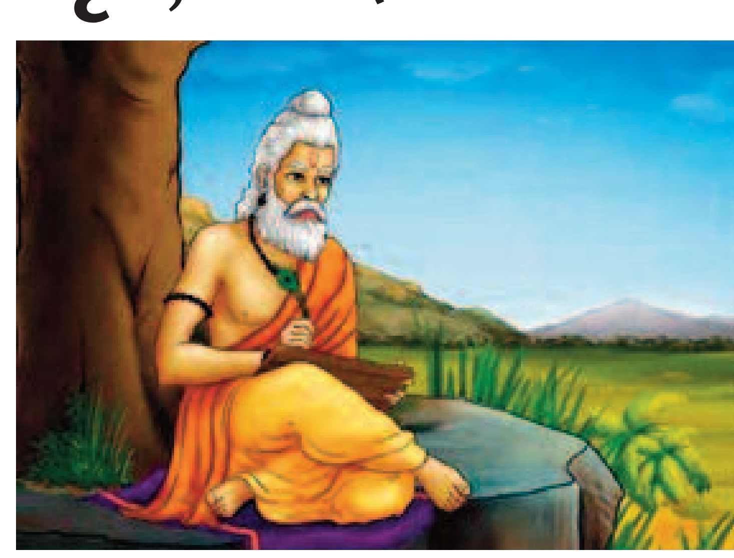

आश्विन माह में शरद पूर्णिमा के दिन महर्षि वाल्मीकि प्रगट हुए। वाल्मीकि वैदिक काल के महान गुरु, यथार्थवादी और चतुर्दशी ऋषि हैं। महर्षि वाल्मीकि को कई भाषाओं का ज्ञान था। संसार का पहला महाग्रंथ श्री रामायण रचकर आदि कवि होने का गौरव पाया। वाल्मीकि ने कठोर तप के पश्चात महर्षि की उपाधि प्राप्त की। उनके द्वारा रचित रामायण को पढ़ें तो पता चलता है कि महाग्रंथ में प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं के समय पर आकाश में देखी गई खगोलीय स्थितियों का विस्तृत एवं सारगर्भित उल्लेख है। यथेष्ठ, महर्षि वाल्मीकि खगोल विद्या और ज्योतिष शास्त्र के भी प्रकांड पंडित माने गए।

यथार्थ जब माता कौशल्या ने श्रीराम को जन्म दिया उस समय सूर्य, शुक्र, मंगल, शनि और बृहस्पति ग्रह अपने-अपने उच्च स्थान में विद्यमान तथा लग्न में चंद्रमा के साथ बृहस्पति विराजमान था। यह वैदिक काल से भारत में ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति बताने का तरीका रहा है। बिना किसी परिवर्तन के आज भी यही तरीका भारतीय ज्योतिष का मूलाधार है। प्रसंग, मान्यताएं है कि महर्षि वाल्मीकि कश्यप और अदिति के नौंवे पुत्र प्रचेता की पहली संतान हैं। उनकी माता का नाम चर्षणी और भाई का नाम भृगु था। कहा जाता है कि इन्हें बचपन में एक भील चुरा ले गया था जिससे इनका लालन-पालन भील प्रजाति में हुआ। इसी कारण,वह बड़े हो कर डाकू रत्नाकर बनें और जंगलों में अपना काफी समय बिताया। रत्नाकर परिवार का पालन करने के लिए लूटपाट करते थे।

एक बार उन्हें निर्जन वन में नारद मुनि मिले तो रत्नाकर ने उन्हें लूटने का प्रयास किया। तब नारद जी ने रत्नाकर से पूछा कि तुम यह निम्न कार्य किसलिये करते हो। इस पर रत्नाकर ने जवाब दिया कि अपने परिवार को पालने के लिए। इस पर नारद ने प्रश्न किया कि तुम जो भी इतने अपराध जिस परिवार के लिए करते हो क्या वह तुम्हारे पापों का भागीदार बनने को तैयार होंगे? यह जानकर वह स्तब्ध रह जाता है। नारदमुनि ने कहा कि हे रत्नाकर यदि तुम्हारे परिवार वाले इस कार्य में तुम्हारे भागीदार नहीं बनना चाहते तो फिर क्यों उनके लिये यह पाप करते हो।

बात को सुनकर उसने नारद के चरण पकड़ लिए। बाद डाकू का जीवन छोड़कर तपस्या में लीन हो गए। कई सालों तक कठोर तप के बाद उनके शरीर पर दीमकों ने बांबी बना ली, इसी वजह से उनका नाम वाल्मीकि पड़ा।

जब नारद जी ने इन्हें सत्य के ज्ञान से परिचित करवाया तो उन्हें राम-नाम के जप का उपदेश भी दिया था। परंतु वह राम-नाम का उच्चारण नहीं कर पाते तब देव ऋषि नारद ने विचार करके उनसे मरा-मरा जपने के लिये कहा। मरा रटते-रटते यही राम हो गया। निरन्तर जप करते-करते हुए वह ऋषि वाल्मीकि बन गए। उतरोक्त्तर, एक पक्षी के वध पर जो श्लोक महर्षि वाल्मीकि के मुख से निकला था। वह परमपिता ब्रह्मा जी की प्रेरणा से निकला था। यह बात स्वयं ब्रह्मा जी ने उन्हें बताई थी। उसी ब्रह्म ज्ञान के बाद ही उन्होने महाग्रंथ श्री रामायण की रचना की थी। जो आज भी युगिन से ब्रह्मांड का पुण्य मार्गदर्शक बनकर जंग का तारणहार हैं। येही है राम नाम की महिमा, जो युगों-युगों से मन-मन में गुंज रही हैं। श्री रामायण की सत्यता, कर्तव्यता, जीवन वृत्तांता, मौलिकता, मर्यादा, मान्यता, ग्राहिता, वैज्ञानिकता और भौगोलिकता इत्यादि से स्पष्ट है कि राम कोई मिथक नहीं, न ही रामायण कोई कल्पना की किस्सागोई है। दशरथ नंदन रघुकुल के 64 वें यशस्वी मर्यादा पुरुषोत्तम नरेश थे। आदिकवि आचार्य वाल्मीकि ने अयोध्या के राजा के रूप में श्रीराम का राज्यारोहण होने के बाद रामायण का अलंकृत करने का श्री गणेश कर दिया था। वाल्मीकि कृत महाग्रंथ में श्रीराम का जीवनचरित संस्कृत के 24 हजार श्लोकों के माध्यम से मानस किया गया है। स्मृति, रामायण में उत्तकांड के अलावा छः और अध्याय हैं: बालकांड, अयोध्या कांड, अरण्य कांड, किष्किंधा कांड, सुंदर कांड तथा युद्धकांड राम दर्शन का जीवंतमान सरोवरक हैं। स्तुत्य, रामलीला की कालजयीता अजर-अमर तपोनिष्ठ दिव्य महर्षि वाल्मीकि के श्री चरणों में समर्पित है। मीमांसा योगविशिष्ट, दूरदृष्टि, रचियता देव महर्षि वाल्मीकि जयंती की कोटिशः मंगलकामनाएं!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

खुद से एक मुलाकात करो

घटती-घटना
प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी (छत्तीसगढ़)

सफर तो बस ऐसे ही चलते रहता है
हवाओं का रुख भी बदलते रहता है
कभी अपनों की अपनों से बात करो
कभी खुद से भी एक मुलाकात करो
खुद को भूले है केवल जगत के लिए
जी रहे हैं केवल अब अपनों के लिए
कभी खुद की भी बयाने हालत करो
कभी खुद से भी एक मुलाकात करो
वक्त कट न जाए केवल लाचारी मे
जैसे कट ही रहा है दुनियादारी में
कभी खुद की बयाने जज्बात करो
कभी खुद से भी एक मुलाकात करो
ख्वाब तोड़े हैं हमने स्वयं के कितने
जुल्म सहे है जहां के हमने कितने
टूटे ख्वाबों की भी तो ख्यालात करो
कभी खुद से भी एक मुलाकात करो
आज मे ही जीवन को खुशहाल करो
भविष्य खातिर,आज ना बदहाल करो
बदलते वक्त से वक्त की भी बात करो
कभी खुद से भी एक मुलाकात करो

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

परसा कोल ब्लॉक में पेड़ कटाई का विरोध:8 पुलिसकर्मी व कई ग्रामीण घायल

- संवाददाता -
उदयपुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम साल्ही और आस-पास के अन्य ग्रामों के साथ-साथ सूरजपुर जिले के जनार्दनपुर और अन्य इलाकों में परसा कोल खदान परियोजना को लेकर आज तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। गुरुवार की सुबह से ही सैकड़ों पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई का काम चल रहा है, जिसका ग्रामीण और हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य विरोध कर रहे हैं। सुबह 9 से 10 बजे के बीच विरोध प्रदर्शन और मौके मौजूद अधिकारियों से बातचीत के दौरान हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य रामलाल पुलिस के हमले से सिर पर चोट लगने से घायल हो गए ।

इस घटना ने ग्रामीणों के बीच आक्रोश की भावना को और बढ़ा दिया है। रामलाल पिछले 10 वर्षों से जल,जंगल और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं और इस आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार,लगभग 6000 पेड़ों की कटाई की जा रही है, जिससे लगभग 140 हेक्टेयर जंगल का सफाया किया जाएगा ताकि परसा कोल ब्लॉक का काम शुरू हो सके। सरगुजा और सूरजपुर जिलों के वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी मौजूदगी के बावजूद, ग्रामीणों के विरोध का स्वर लगातार तेज हो रहा है।

सरगुजा और सूरजपुर जिले के वन विभाग की ओर से पेड़ों की कटाई के लिए एक दर्जन करीब सिपाही दरोगा, कुछ रेंजर और एसडीओ सहित कई अधिकारियों की मौजूदगी की सूचना मिली है। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में स्थिति काफी तनावपूर्ण नजर आ रही है ।पुलिस और प्रदर्शन कारियों में हुई झड़प आधा दर्जन पुलिस अधिकारी और कुछ ग्रामीण भी घायल हो गए पुलिस के घायलों को सीएचसी उदयपुर लाया गया।

मासूम बेटे की मौत के बाद मुआवजे की राशि के लिए डेढ़ वर्ष से भटक रही मां

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम रनपुर कला में करीब डेढ़ वर्ष पूर्व क्रेडा विभाग द्वारा खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में गिरने से 5 साल के मासूम बालक की मौत हो गई थी। तब से मां इंसाफ पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही है। डेढ़ वर्ष से मां शासकीय दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक चुकी है। बच्चे की मौत के बाद विभाग द्वारा परिजन को मुआवजे व एक सदस्य को नौकरी का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आज तक विभाग द्वारा एक रुपए का मुआवजा नहीं दिया गया। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में भी कर चुकी है। इसके बावजूद भी महिला को न्याय नहीं मिल पाया है।

दरअसल अंबिकापुर के रनपुर कला गांव के प्राइमरी स्कुल में अक्टूबर 2022 में सोलर हाई मास्क लाइट लगाने क्रेडा विभाग द्वारा गड्ढा खोदवाया गया था। जिसके बाद सोलर मास्क लाइट रनपुर कला गांव में न लगाकर मेंड्रा कला स्थित सैनिक स्कुल में लगा दिया गया, लेकिन रनपुर स्कूल परिसर में सोलर मास्क लाइट के लिए खोदे गए गद्दे को भरना विभाग भूल गया था। इसी बिच मई 2023 में क्रेडा विभाग द्वारा खोदे गए गद्दे में 5 साल का अर्णव रजवाड़े खेलते-खेलते गिर गया था और डूबने से उसकी मौत हो गई थी। इसकी जानकारी लगते ही क्रेडा विभाग में हडक़ंप मच गया था। विभाग के अधिकारियों ने मृत बच्चे की मां हीरामनी राजवाड़े मुआवजे व नौकरी का आश्वासन दिया गया था। पिछले डेढ़ वर्ष के अंदर विभाग के कई अधिकारी बदल गए पर पीड़ित महिला को न तो एक रुपए का मुआवजा मिला और न ही नौकरी मिली। मुआवजे का प्रकरण विभाग के फाइन के नीचे दबा रहा। महिला न्याया के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही है। बच्चे की मां शासकीय दफ्तरो के चक्कर लगा लगाकर थक चुकी है। परेशान महिला कलेक्टर जनदर्शन में भी शिकयत कर चुकी है। इसके बावजूद भी उसे इंसाफ नहीं मिल पाया है। मामले में अपर कलेक्टर सुनील नायक ने संज्ञान लेते हुए इंसाफ दिलाने का आश्वासन महिला को दिया है। उन्होंने कहा कि मामला कल ही संज्ञान में आया है। विभाग व संबंधित ठेकेदार बुलाया है। जो भी वस्तु स्थिति होगी आगे कार्रवाई करते हुए पीड़ित को मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे।

जबरन अनाचार के मामले मे पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

थाना सीतापुर पुलिस द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई वैधानिक कार्यवाही

» महिला सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार की जा रही सख्ती से कार्यवाही

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

प्रार्थिया द्वारा दिनांक 15 मई 2024 कों थाना सीतापुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक कों प्रार्थिया का पति घर से अपने रिश्तेदार कों छोड़ने बाहर गाँव गया हुआ था,और प्रार्थिया के बच्चे घर मे खेल रहे थे, इस दौरान आरोपी छोटका राम तिर्की प्रार्थिया कों अकेली पाकर जबरन अनाचार की घटना कारित किया है, आरोपी पूर्व मे भी प्रार्थिया के साथ जबरन अनाचार की घटना कारित किया हैं, मामले मे प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर मे अपराध क्रमांक 298/24 धारा 64(2) एम बी.एन.एस.का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी छोटका राम तिर्की का पता तलाश कर हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम छोटका राम तिर्की उम्र 62 वर्ष साकिन पेटला अमेरापारा थाना सीतापुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपराध घटित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना सीतापुर से उप निरीक्षक रघुराम भगत, सहायक उप निरीक्षक शशिप्रभा दास, महिला आरक्षक अनामिका बड़ा, आरक्षक दिलबोधन बड़ा, धनकेश्वर यादव शामिल रहे।

झाड़ी में मिली लाश की हुई पहचान,आरोपी भेजा गया जेल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के पुराना बस स्टैंड में मिले युवक के शव की पहचान दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर निवासी हरि लकड़ा के रूप में हुई है। वह राजमिस्त्री का काम करता था। वह मंगलवार को अपने दोनों बेटों के साथ अंबिकापुर पुलिस लाइन में करमा खेलने आया था। दोनों पुत्र देर रात बाइक से अन्य लोगों के साथ गांव वापस चले गए थे। मृतक अपनी भतीजी के घर भाथुपारा जा रहा था। इस दौरान पुराना बस स्टैंड के पास स्थित नेपाल लौज के समीप एक युवक से इसकी विवाद हो गई। युवक ने डंडे से मारकर उसकी हत्या कर शव को झांड़ी में छिपा दिया था और जलाने की कोशिश की थी। ममाले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर निवासी हरि लकड़ा पिता खुरनू लकड़ा 48 वर्ष रविवार को वह अपने ससुराल में करमा मनाने के लिए गया था। इसके बाद मंगलवार को अंबिकापुर पुलिस लाइन में अपने दोनों पुत्र अजय लकड़ा और सुरेंद्र लकड़ा के साथ करमा खेलने आया था। यहां से देर रात लगभग 12.30 बजे हरि के दोनों बेटे रात में ही बाइक से घर चले गए थे। अकेला हरि लकड़ा अपनी भतीजी के घर भाथुपारा जा रहा था। इसके बाद बुधवार की सुबह इसकी लाश पुराना बस स्टैंड के पास नेपाल लौज के समीप झाड़ी में मिली। मामले में पुलिस ने करनदीप सिंह पिता कुलदीप इ्क्षसह उम्र 22 वर्ष निवासी अग्रसेन चौक अंबिकापुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि देर रात को अग्रसेन चौक के समीप से हरि लकड़ा जा रहा था। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई थी। आरोपी ने मृतक को डंडा व कल्लछुल से मारकर मौत के घाट उतार दिया था। उसकी हत्या करने के बाद उसके शव को झाड़ी में लेजाकर छिपा दिया था। पहचान छुपाने के उद्देश्य से आरोपी शव को जलाने की भी कोशिश की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। मृतक के परिजन का कहना है कि इस घटना में और लोग शामिल हो सकते हैं। किसी एक व्यक्ति हत्याकर शव को ले जाकर जलाने की कोशिश नहीं कर सकता है।

बलरामपुर में 400 एकड़ सरकारी जमीन को प्रशासन ने कराया अवैध कब्जे से मुक्त

- संवाददाता -
बलरामपुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रामानुजगंज तहसील के महाबीरगंज गांव में प्रशासन ने दशकों से चले आ रहे अवैध कब्जों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। यह कार्रवाई 680 एकड़ सरकारी जमीन पर हुए अवैध कब्जे को लेकर की गई, जिसमें 400 एकड़ जमीन को कब्जाधारियों से मुक्त कराया गया। इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों ने लंबे समय तक धैर्यपूर्वक जांच की और अवैध कब्जाधारियों से सरकारी जमीन को वापस लेने में बड़ी सफलता हासिल की। महाबीरगंज गांव की 680 एकड़ सरकारी जमीन पर 1954-55 से ही ग्रामीणों ने अवैध कब्जा जमा रखा था। इस जमीन पर कब्जाधारियों ने घर बनाए हुए थे और कुछ ने खेती भी शुरू कर दी थी। यह मामला कई दशकों तक प्रशासन की नजर से बचा रहा, लेकिन 2020 के आसपास भी कोई मायने जब शिकायतें दर्ज कराई गईं, तब जाकर इस गंभीर अवैध कब्जे का खुलासा हुआ। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कब्जाई गई यह जमीन कोयला खदान क्षेत्र में स्थित है, जिससे इसकी कीमत बहुत अधिक मानी जाती है। इसी वजह से यह जमीन अवैध कब्जाधारियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। पूर्व कलेक्टर के कार्यकाल में इस अवैध कब्जे की शिकायत की गई थी, जिसके बाद कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया। प्रशासन ने इस विशाल जमीन पर कब्जे की जांच करने और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया। इसके लिए अपर कलेक्टर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया। इस बीच कब्जाधारियों को नोटिस जारी किया गया और जमीन के दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कई गड़बडियों का खुलासा हुआ। कब्जाधारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में जमीन के सीरियल नंबर गलत थे, और कुछ जगहों पर स्याही का रंग अलग-अलग पाया गया। इसके अलावा, रिकॉर्ड की लिखावट में भी भिन्नता देखी गई। यह स्पष्ट हो गया कि इन अवैध कब्जों में पटवारियों की मिलीभगत रही होगी, जिन्होंने जमीन के रिकॉर्ड में हेरफेर किया।

हालांकि, प्रशासन के लिए एक बड़ी समस्या यह रही कि यह अवैध कब्जे 1954-55 से हो रहे थे, जिससे स्पष्ट रूप से यह तय करना मुश्किल हो गया कि किस पटवारी ने किस समय गड़बड़ी की थी। दस्तावेजों में मिली असंगतियों के बावजूद यह पता लगाना कठिन था कि कौन सा पटवारी जिम्मेदार था।

वर्तमान अपर कलेक्टर इंद्रजीत बर्मन ने संभाली जांच

पूर्व अपर कलेक्टर पैकरा की सेवानिवृत्ति के बाद, यह जिम्मेदारी वर्तमान अपर कलेक्टर इंद्रजीत बर्मन को सौंपी गई। उन्होंने इस मामले की विस्तृत जांच की और कब्जाधारियों से दावे और आपत्तियां मंगवाईं। लेकिन कब्जाधारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिससे जांच अधिकारी ने अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार की। इस रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर रिमूजियूस एक्का ने अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया।

400 एकड़ जमीन कब्जे से मुक्त, शेष पर कार्रवाई जारी

कलेक्टर के आदेश पर 680 एकड़ में से अब तक 400 एकड़ जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा चुका है और इसे फिर से सरकारी दस्तावेजों में दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में बाकी 280 एकड़ जमीन को भी कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार की कार्रवाई न केवल बलरामपुर जिले में बल्कि पूरे राज्य में सबसे बड़ी मानी जा रही है।

पुलिस लाइन में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

» 15 दिवसीय विशेष साइबर जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न स्कूल कॉलेज मे कार्यक्रम किया जा रहा आयोजित

» छात्र छात्राओं कों एटीएम फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी,सैक्स्टॉर्शन, डिजिटल अरेस्ट के बारे मे दी गई विस्तार से जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार सरगुजा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे व्यापक साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज दिनांक कों शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन अंबिकापुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के द्वारा छात्रों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया एवं डिजिटल दौर में सुरक्षित रहने के तरीकों के बारे में उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया, कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने काफी संख्या में भाग लिया और अपने साइबर सम्बन्धी सवालों को खुलकर साझा किया। सरगुजा पुलिस और साइबर वालंटियर्स ने उनकी साइबर सम्बन्धी उत्सुकता का जवाब दिया।

कार्यक्रम में छात्रों को बताया गया कि कैसे वे किसी भी व्यक्ति कों अपनी गोपनीय जानकारी साझा ना करें, ओटीपी (OTP) साझा न करें, फिशिंग ईमेल और फर्जी मैसेज से सावधान रहें, और सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखें। इसके अलावा, छात्रों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर बुलिंग जैसे खतरों से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर और www.cybercrime.gov.in पोर्टल का उपयोग करने के तरीके समझाए गए, जिससे छात्रों को किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम के दौरान, अभिव्यक्ति ऐप के उपयोग पर भी जोर दिया गया, जिससे छात्राएं किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस करने पर सहायता प्राप्त कर सकें। इस ऐप के माध्यम से, छात्राएं अपनी शिकायतें गुप्त रूप से दर्ज कर सकती हैं और पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकती हैं। यह विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी माध्यम है। छात्र छात्राओं कों अनजान लिंक पर क्लिक न करने एवं अज्ञात स्रोतों से डाउनलोडिंग से बचने समझाईस दी गई, कार्यक्रम में छात्रों की सुरक्षा और साइबर अपराधों से निपटने के लिए व्यापक जानकारी दी गई।

मलावी पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू,इस अफ्रीकी देश की यात्रा करने वाली पहली भारतीय राष्ट्राध्यक्ष

न्यूयॉर्क, 17 अक्टूबर 2024। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन अफ्रीकी देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में बृहस्पतिवार को मलावी पहुंचीं। यहां वह मलावी के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगी तथा व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं से बातचीत करेंगी। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस अफ्रीकी देश की पहली यात्रा है।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से शेयर की गई पोस्ट में कहा गया है कि, अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मलावी के लिलोंग्वे स्थित कामुजू अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरीं। मलावी के उप राष्ट्रपति माइकल उसी ने हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह भारत से मलावी की पहली राजकीय यात्रा है। मुर्मू मलावी के राष्ट्रपति डॉ. लाजर मैक्कार्थी चकवेरा के निमंत्रण पर 17-19 अक्टूबर तक मलावी का दौरा कर रही हैं।

विदेश मंत्रालय ने उनकी यात्रा को लेकर जारी किए गए बयान में कहा कि अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू मलावी के नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; प्रमुख व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं और भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगी; और सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का दौरा करेंगी। इससे पहले राष्ट्रपति ने अल्जीरिया और मॉरिटानिया देशों का दौरा किया था। जहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए अपने-अपने समकक्षों के साथ बातचीत की।

जो बाइडेन का बड़ा ऐलान,अब अमेरिका के इस कदम से और भड़केगी रूस-यूक्रेन जंग

वाशिंगटन,17 अक्टूबर 2024। रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। जंग के बीच अमेरिका एक बार फिर यूक्रेन की मदद के लिए आगे आया है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कीव के लिए 425 मिलियन डॉलर के हथियार पैकेज की घोषणा की है। पैकेज में वायु रक्षा प्रणालियां, बख्तरबंद वाहन समेत अन्य हथियार शामिल हैं। इस दौरान राष्ट्रपति बाइडेन के यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को अपने शेष कार्यकाल के दौरान यूक्रेन को सुरक्षा सहायता बढ़ाने के अपने प्रयासों के बारे में भी बताया। बाइडेन नवंबर में यूक्रेन के सहयोगियों की एक वर्चुअल बैठक भी करेंगे।

इस बारे में नहीं दी गई जानकारी

सैन्य मदद के बीच फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि यूक्रेन को रूस में पश्चिमी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलों को दागने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि 425 मिलियन डॉलर के अमेरिकी पैकेज में अतिरिक्त वायु रक्षा क्षमता, हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियार, बख्तरबंद वाहन और यूक्रेन की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए अहम हथियार शामिल हैं।

क्या बोले जेलेंस्की

व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया है कि आने वाले महीनों में अमेरिका सैकड़ों वायु रक्षा मिसाइलें, तोपखाने, सैकड़ों बख्तरबंद वाहक और अन्य सैन्य सहायता यूक्रेन को प्रदान करेगा। इस बीच, ज़ेलेंस्की ने रूस पर जीत हासिल करने की अपनी योजना के बारे में राष्ट्रपति बाइडेन को जानकारी दी है। जेलेंस्की ने एक्स पर कहा कि उन्होंने बाइडेन से बात की और पैकेज के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जिसमें लंबी दूरी के हथियार शामिल थे।

लगातार जारी है मदद

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, रिपब्लिकन के लगातार विरोध के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जंग के दौरान यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता दोनों में लगभग 175 बिलियन डॉलर प्रदान किए हैं। अमेरिका की ओर से यूक्रेन को मदद लगातारा जारी है।

अंबिकापुर नगर में आरएसएस ने शाखा के स्वयं सेवकों का निकाला पथ संचलन,जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

» कार्यक्रमों में संघ के वरिष्ठ प्रचारकों और कार्यकर्ताओं का उद्बोधन...

» स्वयं सेवकों द्वारा संघ का शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी जोरों से...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर अलग- अलग शहर के कई स्थानों पर संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन निकाला गया।पथ संचलन शहर में लगभग 10 शाखा स्थलों से निकाला गया। आपको बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना के 99 वर्ष पूर्ण कर चुका है, इसके निमित्त नगर की सभी बस्तियों मे संचलन एवं शस्त्र पूजन के कार्यक्रम सम्पन्न हुए, जिसमें 10 स्थानों पर लगभग 400 से अधिक स्वंसेवकों ने भाग लिया। ज्ञात हो कि आर एस एस संघ की स्थापना 1925 में नागपुर स्थित मोहिते के बाड़े में विजयादशमी के दिन की गई थी। तब से लेकर आज तक विजयादशमी के दिन आरएसएस अपना स्थापना दिवस मनाता आ रहा है जिसको लेकर विभिन्न शाखाओं द्वारा पथ संचलन निकाला जाता है। इस वर्ष संघ की स्थापना का यह 99 वां वर्ष है। अंबिकापुर शहर में कुछ दिनों पूर्व शहर के विभिन्न स्थानों पर संघ की शाखाएं लगाई गई इस दौरान आर एस एस के वरिष्ठ पदाधिकारियों का बौद्धिक भी हुआ साथ ही शस्त्र पूजन भी किया गया अंबिकापुर शहर में लगभग 10 भागों में पथ संचलन निकाला गया।पथ संचलन में ध्वज वाहिनी घोष और घोष दंड शामिल थे,पथ संचलन में सभी स्वयंसेवक हाथों में दंड लिए कदमताल मिलाते हुए चल रहे थे पथ संचलन का जगह-जगह पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत भी हुआ। कई स्थानों पर पथ संचलन का संगम भी देखने को मिला। विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। जिसमे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक शस्त्र पूजन करते हैं और पथ संचलन निकालकर हिन्दू समाज को एकात्मता के सूत्र मे बांधकर उत्साह एवं निडरता का भाव भरने का कार्य करते हैं। स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दू एकता एवं अखंडता का संदेश भी देते हैं।

कार्यक्रमों में संघ के वरिष्ठ प्रचारकों और कार्यकर्ताओं का उद्बोधन भी हुआ

कार्यक्रमों में संघ के वरिष्ठ प्रचारकों और कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखा जिसमें उग्रवाद, आतंकवाद सहित राष्ट्र विरोधी ताकतों से निपटने के लिए समाज को सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। साथ ही बताया गया कि संघ की शाखाओं में स्वयंसेवक का शारीरिक और मानसिक विकास होता है व व्यक्ति अनुशासित हो जाता है।हम सभी को संकल्प लेकर अखंड भारत के निर्माण में अपनी सहभागीता सुनिश्चित करनी है। 1925 में संघ की स्थापना के समय डॉ हेडगेवार जी ने विश्व गुरु भारत का जो सपना देखा था, वह आज पूर्ण होता दिखाई दे रहा है।

20 अक्टूबर को निकाला जाएगा नगर में भव्य पथ संचलन

अंबिकापुर आरएसएस नगर के नगर कार्यवाह अनुज दुबे ने बताया कि आगामी 20 अक्टूबर को कला केंद्र मैदान में शाम 4 बजे नगर का सामूहिक संचलन तय किया है, जिसमें नगर के प्रत्येक मोहल्ले के स्वयंसेवक सम्मिलित होंगे।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को बनाया निशाना,ड्रोन और मिसाइल से किया हमला

मॉस्को,17 अक्टूबर 2024। रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है और फिलहाल इसके थमने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इस बीच रूस की तरफ से यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले जारी है। रूसी सेना ने बुधवार रात यूक्रेन पर 56 से अधिक ड्रोन और मिसाइल हमले किए। रूस ने इस हमले में मायकोलाइव के दक्षिणी क्षेत्र में ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया है।

बाधित हुई बिजली सप्लाई

मायकोलाइव के क्षेत्रीय गवर्नर विटाली किम ने कहा कि हमले की वजह से कुछ इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित हुई है। इस दौरान उन्होंने बताया कि रूस की तरफ से किए गए इन हमलों में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यूक्रेन की वायुसेना ने भी फ्रंट लाइन के पास के क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी पर पांच हमलों की सूचना दी है।

मार गिराए गए 22 ड्रोन

यूक्रेन की सेना का कहना है कि हमले के दौरान 22 ड्रोन को मार गिराया गया और 27 ड्रोन का पता नहीं चल पाया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि एक ड्रोन का मलबा राजधानी में किंडरगार्टन के पास गिरा। मेयर ने कीव और आसपास के क्षेत्रों में हताहतों या को कोई नुकसान नहीं होने की सूचना नहीं दी।

मदद के लिए आगे आया अमेरिका

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, जंग के बीच अमेरिका एक बार फिर यूक्रेन की मदद के लिए आगे आया है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कीव के लिए 425 मिलियन डॉलर के हथियार पैकेज की घोषणा की है। पैकेज में वायु रक्षा प्रणालियां,बख्तरबंद वाहन समेत अन्य हथियार शामिल हैं। फिलहाल, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि यूक्रेन को रूस में पश्चिमी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलों को दागने की अनुमति दी जाएगी या नहीं।

प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के मुख्य आतिथ्य में हुआ सायकल वितरण

- संवाददाता -
प्रतापपुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सोनगरा में आयोजित सरस्वती सायकल वितरण कार्यक्रम में छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए सायकल प्रदान की गईं । यह पहल शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमारे भविष्य को सशक्त बनाएगा। सरस्वती सायकल योजना के तहत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा में 31 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया । सायकल पाकर छात्राओं ने छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया । इस दौरान विधायक महोदय ने संबोधित करते हुए कहा निश्चित तौर पर यह अच्छा पहल है दूर से आने वाली छात्राओं के लिए अच्छी सुविधा है.सरस्वती सायकल वितरण का शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के कार्यकाल के दौरान हुआ था । उन्होंने कहा भाजपा सरकार निश्चित पर हर संभव प्रयास कर रही है छात्रों के हित मे चाहे निशुल्क पुस्तक वितरण हो, छात्रवृत्ति योजना हो सभी कल्याणकारी योजनाओ का लाभ साय साय मिल रहा है । अंत मे विधायक ने पूरे विधानसभा के बच्चों के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराया है उसके बारे में बताया कभी किसी प्रकार की समस्या होती है तो विधायक कर्यालय हेल्पलाइन नंबर में फोन कर सकते हैं । विद्यालय के प्रचार्य को उन्होंने कर्यालय हेल्पलाइन नंबर को विद्यालय के दीवार पर लिखवाने की समझाइश दी । इसका कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष शरद चंद्र द्विवेदी, मंडल महामंत्री समय लाल मिश्रा, प्रचार्य पनमेश्वर पैंकरा ,दशरथ सिंह, झरिलाल पैंकरा, अनुराग द्विवेदी, विकास तिवारी, धनेश्वर राजवाड़े, विष्णु दत्त मिश्रा,ठकेश्वरी राजवाड़े, शोभनाथ अगरिया,रोशन राजवाड़े, सोनू देवांगन, राजेश ठाकुर, शिवभजन सिंह कोर्राम, सीताराम यादव, नंदलाल सिंह कोर्राम, परमेश्वर सिंह, सहित भारी संख्या में संकुल स्तरीय शिक्षक शिक्षिका व ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

ट्रक की ठोकर से घायल युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

ट्रक की ठोकर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया सूरजपुर जिला के पुलिस चैकी चेन्द्रा अंतर्गत ग्राम दौना निवासी प्रेमसाय पैकरा पिता सुखदेव पैकरा 20 वर्ष बीते दिवस ग्राम टइयां से मोटरसाइकिल में अकेले घर की ओर आ रहा था। शाम लगभग 7 बजे ग्राम करौंटी के पास मुख्य मार्ग में अज्ञात ट्रक का चालक लापरवाही पूर्वक मोटरसाइकिल सवार को ठोकर मार दिया, जिसमें उसे सिर, हाथ और चेहरे में गंभीर चोटें आई थी। स्वजन उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल सूरजपुर ले गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था, यहां देर रात करीब 1.50 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

धूल व जर्जर सड़क से परेशान लोगों ने किया चक्काजाम

» NH 43 के दोनों तरफ लगी वाहनों की लगी लंबी कतारें

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सीतापुर जर्जर नेशनल हाईवे 43 की वजह से सालों से धूल खाकर परेशान हो चुके नगरवासियों ने सड़क मरम्मत की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया। विकास मंच एवं व्यापारी संघ के नेतृत्व में नगरवासियों द्वारा कारगिल चौक पर किये गए चक्काजाम की वजह से आवागमन बाधित हो गया है।

वर्षों से खस्ताहाल सड़क पर चलने मजबूर सीतापुर के नागरिको ने आज गुरुवार को मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। धूल से हो रही परेशानियों से उच्च अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई पहल नहीं किया गया है। जिससे नाराज नागरिकों को गुस्सा फूट पड़ा और सब आंदोलन करने सड़क पर उतर गए। चक्काजाम के दौरान यात्री बसों को परिवर्तित मार्ग से गंतव्य की ओर रवाना किया जा रहा है। वही भारी वाहनों के जाम में फंसे होने की वजह से सड़क के हा॥ 43 के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।

नागरिकों के चक्काजाम कर देने की जानकारी मिलने पर नायाब तहसीलदार एवं नेशनल हाईवे के अधिकारी मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने चक्काजाम में बैठे लोगों को समझाने की बहुत कोशिश की। उन्होंने दीपावली के बाद सड़क मरम्मत कराने का आश्वासन भी दिया। लेकिन आंदोलनकारी तत्काल सड़क का डामरीकरण कराने की अपनी मांग पर अड़े रहे। आंदोलनकारियों का कहना था कि शासन प्रशासन अगर सड़क की मरम्मत नही करा सकती तो अपने हाथ खड़े कर दे। हम नगरवासी आपस में चंदा करके सड़क की मरम्मत करा लेंगे। ताकि जानलेवा बन चुकी धूल से नगर को मुक्ति मिल सके।

इस संबंध में आंदोलनकारियों ने कहा कि जब तक हमारी मांग पूरी नही होती, तब तक अनिश्चितकालीन चक्काजाम एवं विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।इस दौरान मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात थी।चक्काजाम के दौरान विकास मंच एवं व्यापारी संघ के पदाधिकारी समेत काफी संख्या में नगरवासी मौजूद थे।

व्यापारियों से मांगा सहयोग

18 अक्टूबर शुक्रवार को व्यापारी संघ सीतापुर द्वारा नगर बंद का आह्वान किया गया है। संघ ने सभी व्यापारी बंधुओ से निवेदन किया है कि कल 18 अक्टूबर को अपनी अपनी प्रतिष्ठान बंद कर चक्काजाम में अपना अमूल्य योगदान दें।

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग पर कार्यवाही करने का फरमान पर नहीं हो रहा अमल?

मुख्यमंत्री सचिवालय से आया आदेश, कलेक्टर ने सीएमएचओ को पकडाया पत्र... सीएमएचओ कुंडली मारकर बैठे हुए...

» प्रभारी डीपीएम के पहुंच में है ताकत या फिर उनके पैसे में जो कार्रवाई में हो रही विलंब?

– रवि सिंह –
सूरजपुर/बैकुंठपुर 17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

घटती-घटना लगातार बैकुंठपुर स्थित तत्कालिन डीपीएम के द्वारा संचालित न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की पोल खोल रहा है। घटती-घटना की खबरों को मुख्यमंत्री ने सज्ञान लिया है। अब मुख्यमंत्री सचिवालय से कलेक्टर को सीधा पत्र आया है और कहा गया है कि नर्सिंग कालेज की मान्यता रद्द कर कार्यवाही की जाए। वहीं कलेक्टर जो कि पदस्थापना के शुरूआत समय मे (जैसा की हर कलेक्टर करते आए है) जमकर सख्ती दिखाई और अब वो भी यहां के माहौल में रम कर चुप हो गई है? उन्होने सीएम सचिवालय के पत्र का धता बताते हुए सीएमएचओं को सौप कार्यवाही से पल्ला झाड़ लिया है। सीएम सचिवालय से 13 सितंबर 2024 को भेजा गया है, और आज एक महिने से उपर समय बीत चुका है, आप सहज अंदाजा लगा सकते है कि जिला प्रशासन किसके लिए काम कर रहा है।

जानकारी के अनुसार बैकुंठपुर के समाजिक कार्यकर्ता संजय जायसवाल द्वारा न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के संचालन व संविदा कर्मी प्रभारी डीपीएम डॉ प्रिंस जायसवाल को लेकर ईडियन नर्सिंग कॉसिंल को शिकायत की थी,श्री जायसवाल बीते लंबे समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ लडाई लड रहे है। जिसके बाद 18 अक्टूबर 23 को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर की तीन सदस्यीय दलों ने औचक निरीक्षण किया। जिसमें कई खामियां पाई गई,पूरी कार्यवाही की विडीयोग्राफी भी की गई। यह पाया गया कि विद्यार्थियों के लिए जिला अस्पताल बैकुंठपुर 150 बेड, एसईसीएल चरचा में (जीएनएम) 50, सीएचसी पटना मे 30 बेड, मेंटल अस्पताल सेंडरी में 20 बेड की अनुमति पाई गई। संस्था का खुद का अस्पताल नहीं पाया गया और इसमें अनुसूचित क्षेत्र बताकर अस्पताल नहीं होने के लिए रियायत दी गई है। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि संस्था में प्राकृतिक हवाकी कमी पाई गई प्रकाश की व्यवस्था ठीक पाई गई।

क्या भोले-भाले मुख्यमंत्री के आंखों में बांध दी गई है पट्टी?

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री काफी सीधे-साधे व भोले भाले बताए जाते हैं क्या इसी का फायदा आज सामाजिक तत्व उठा रहे हैं जहां कार्यवाही की दरकार है वहां कार्यवाही हो नहीं पा रही और जहां दरकार नहीं है वहां पर कार्यवाही हो रही है क्या मुख्यमंत्री के आंखों पर पट्टी बांध दिया गया है? जिस वजह से उन्हें कार्यवाही करने में दिक्कत आ रही है या फिर कर्मचारी व अधिकारियों की मनमानी वह देख नहीं पा रहे जिस वजह से कार्यवाही में अटकलें आ रही हैं?

अधोसंरचना में काफी कमी

मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के निरीक्षण में न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग बैकुंठपुर में दो क्लास रूम आवष्कता से आधे वर्ग फीट में पाए गए, नर्सिंग फाउडेषन लैब 18 वर्ग फीट में होना है जबकि मात्र 500 वर्ग फीट पाया गया, कम्यूनिटी और न्यूट्रीषियन लैब 1200 फीट होना चाहिए, जबकि कम्प्यूनिटी लैब सिर्फ 256 और न्यूट्रीषियन लैब 352 वर्ग फीट का ही पाया गया, दोनों मिलाकर आवयकता से आधे 608 वर्ग फीट में संचालित है। कम्प्यूटर लैब 1500 वर्ग फीट में होना चाहिए, जबकि यह मात्र 128 वर्ग फीट में पाया गया, मात्र 10 कम्प्यूटर पाए गए। एमसीएच लैब 900 वर्ग फीट की आवष्यकता है जबकि यहा मात्र 250 वर्म फीट में है, प्री क्लिनिकल लैब के लिए 900 वर्ग फीट होना चाहिए जबकि 330 वर्ग फीट में पाया गया। एव्ही एड्स लैब के लिए 600 वर्ग फीट चाहिए जबकि यहां 200 वर्ग फीट ही पाया गयां। इस संस्था में बहुउद्देश्यीय हाल उपलब्ध नहीं है इसके लिए 3000 वर्ग फीट होना चाहिए। यहां कॉमन रूम के लिए 1000 वर्ग फीट होना चाहिए जबकि यहां मात्र 234 वर्ग फीट की जगह पाई गई। स्टॉफ रूम के लिए 800 वर्ग फीट होना चाहिए जबकि यहां सिर्फ 480 वर्ग फीट जगह पाई गई। ण्चओडी रूम 1000 वर्ग फीट होन चाहिए जबकि यहां 585 वर्ग फीट पाया गया। प्राचार्य रूम आवष्यकता 300 और उपलब्धता 144, उप प्रचार्य कक्ष 200 जबकि 100 वर्ग फीट पाई गई लाईब्रेरी 2300 वर्ग आवष्यकता है यहां मात्र 770 वर्ग फीट पाई गई, इसके अलावा टॉयलेट के लिए 1000 वर्ग फीट आवष्यकता है, जबकि 500 वर्ग फीट ही पाया गया।

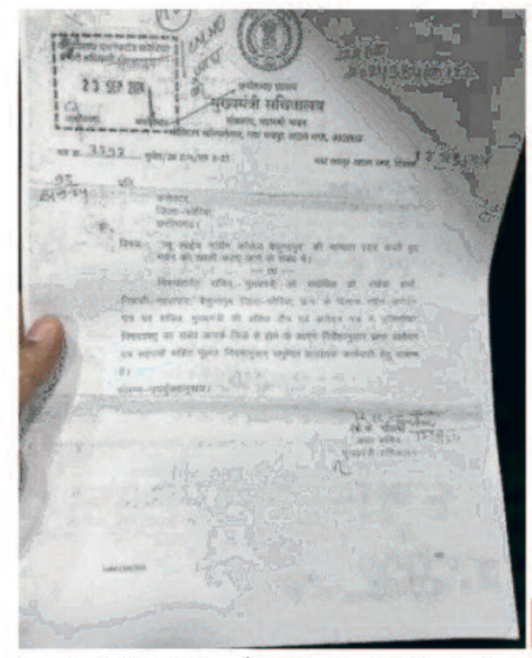

प्रिंस जायसवाल, प्रभारी डीपीएम,सूरजपुर

छात्रावास एमएलए नगर में

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की छात्राओं को एमएलए नगर में 6 भवन किराए पर लेकर रखा गया है। बताया गया कि कम छात्राएं होने के कारण 2 डुप्लेक्स में छात्राओं को रखा गया है जबकि 4 भवन आगामी सत्र के लिए रखा गया है, निरीक्षण टीप से साफ हो रहा है कि टुकडो टुकड़ों में न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग संचालित है, स्कूल कही और छात्रावास कही स्थित है, इसके अलावा जिस जगह छात्रावास संचालित है वह एमएलए नगर को नगर पालिका परिषद के द्वारा अवैध घोषित किया जा चुका है।

निरीक्षण मे कई रहे नदारद

सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज की तीन सदस्यीय दल निरीक्षण में पहुंचा तब उप प्रचार्य अनुपस्थित पाए गए, प्रोफेसर का पद आज तक भरा नहीं गया है,सह प्रध्यापक के पद पर एक की नियुक्ति की गई जो उपस्थित रहे,सह प्रध्यापक 5 में 3 उपस्थित पाए गए, ट्यूटर के 16 पदों के विरूद्ध मात्र 10 की नियुक्ति पाई गई जिसमें 5 अनुपस्थित पाए गए। जांच प्रतिवेदन में साफ उल्लेख है कि निरीक्षण दिवस 118 विद्यार्थियों में कम से कम 13 शिक्षक उपस्थित होना चाहिए था जबकि मात्र 10 की पाए गए।

सीएमएचओ को नहीं है आपत्ति

निरीक्षण में आई तीन सदस्यीय दल ने सीएमएचओ डॉ आरएस सेगर से मुलाकात की,जिसमें डॉ सेंगर ने डॉ प्रिस जायसवाल को प्रमाण-पत्र जारी कर रखा है कि वो संविदा में रहते उक्त संस्था के मनोनीत सदस्य रहते संस्था का कार्य कर सकते है, उनके इस तरह से संविदा में रहते कार्य करने को लेकर सीएमएचओं को किसी भी तरह की आपत्ति नही है। सीएमएचओं ने डॉ प्रिस जायसवाल को विभागीय काार्य और कार्यालयीन समय के अतिरिक्त अन्य निजी प्रैक्टिस,प्रबंधकीय कार्य करने में कार्यालय सीएमएचओ को किसी तरह की आपत्ति नही है बताया है। वहीं अब तत्कालिन सीएमएचओ को राज्य सरकार ने हटा दिया है, अब देखना है कि वर्तमान सीएमएचओं किस तरह की कार्यवाही करते है।

मुख्यमंत्री के यहां से कार्यवाही के लिए आया पत्र पर कार्यवाही क्यों नहीं?

मुख्यमंत्री के यहां से कलेक्टर को कार्यवाही के लिए पत्र आया कलेक्टर ने पत्र को सीएमएचओ को कार्रवाई के लिए बढ़ा दिया,अब सीएमएचओ उस पत्र को लेकर कुंडली मारे बैठे हुए हैं ना जाने ऐसा क्या है की कार्यवाही करने से बचा जा रहा है? वहीं प्रभारी डीपीएम के नर्सिंग कॉलेज को लेकर रोज नया प्रचार-प्रसार किया जाता है और यह मान्यता मिल गई ऐसी बात आती है पर सवाल यह है कि जब नर्सिंग कॉलेज अनियमित तरीके से संचालित है तो फिर कार्यवाही क्यों नहीं हो रही? आखिर कलेक्टर कोरिया या फिर मुख्य चिकित्सा अधिकारी उनकी मान्यता रद्द करने के लिए यूनिवर्सिटी को क्यों नहीं लिख रहे पत्र?

प्रतिबंध क्षेत्र है पवित्र नगरी,लेकिन खुलेआम हो रही शराब की तस्करी

» एक तरफ ऑटो तो दूसरी तरफ घर,इन तस्करों को नहीं किसी का डर...

–बागी कलम–
अनूपपुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती–घटना)।

जिले में शराब तस्करों के हौसले इतने बुलंद हैं की आरोपियों में पुलिस का ज़रा भी खौफ नहीं रहा। शायद यही वजह है कि प्रतिबंधित क्षेत्र में भी धड़ल्ले से इसकी बिक्री हो रही है। तस्कर बेखौफ होकर कहीं पर घर को दुकान बनाकर शराब बेच रहे हैं तो कहीं ऑटो में पूरी दुकान लिए घूम रहे हैं। इसी से जुड़ी दो बड़ी कार्रवाई हुई इस बात की गवाही दे रही हैं। जिले की पवित्र नगरी अमरकंटक में जहां 210 लीटर अवैध शराब जब्त कर कुल साढ़े चार लाख रुपए का माल बरामद किया है और इस मामले में कुल 3 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, अमरकंटक पुलिस को मुखबिर से ऑटो में शराब तस्करी होने की सूचना मिली थी। जिस पर घेराबंदी करते हुए पोडक़ी गांव में ऑटों रिक्शा को रोककर जांच की। इस दौरान 63 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब जब्त करते हुए दो आरोपी सुपेत सिंह और परमेश्वर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस शराब की अनुमानित कीमत 33 हजार 890 रूपए है। वहीं दूसरे प्रकरण में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पोंडकी निवासी रवि बंजारा के घर पर दबिश दी जहाँ पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर में अवैध तरीके से शराब की बिक्री कर रहा है। जिसके बाद उसके घर पर छापा मारी की गई। इस दौरान आरोपी के कमरे से 147 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब बरामद हुई है जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 21 हजार रु है। इस प्रकार अमरकंटक पुलिस ने शराब माफियाओं के खिलाफ दो अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 210 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब जब्त किया गया है। वहीं ऑटो और फ्रिज को जब्त करते हुए आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम 1915 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गाड़ियों के शीशे तोड़ने वाले गिरोह का खुलासा

» कोरिया पुलिस के अथक प्रयास व कड़ी मसक्कत से 48 घंटे के भीतर पकडे गए 03 आरोपी

» लगभग 25 से अधिक खड़ी गाड़ियों के कांच तोड़ने वाले आरोपियों को पकड़ने में पुलिस हुई सफल

– संवाददता –
बैकुण्ठपुर,17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

दशहरे की रात बैकुंठपुर शहर में बाहर खड़ी गाड़ियों के ऊपर अज्ञात व्यक्ति ने शीशा फोढ़ा था ऐसा वारदात किसी एक के साथ नहीं कई गाड़ी मालिकों के साथ हुआ था जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था पुलिस कार का कांच फोड़ने वाले आरोपियों को ढूंढ रही थी अंततः लोगों के गाड़ी का शीशा फोड़ने वाले आरोपी को पुलिस को पकड़ने में सफलता मिल गई।

जानकारी के मुताबिक प्रार्थी सचिन्द्र गुप्ता,पिता विष्णुदत्त गुप्ता, निवासी फव्वारा चौक,बैकुंठपुर द्वारा थाना बैकुंठपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 14 अक्टूबर 2024 की सुबह लगभग 07:00 बजे उसके बड़े भाई, संजय गुप्ता ने उसे सूचित किया कि उसकी महिंद्रा स्कॉर्पियो का पीछे और बाएं तरफ का शीशा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी गई कि विभिन्न स्थानों पर घरों के बाहर खड़ी कई फोर-व्हीलर वाहनों,जैसे गढ़ेलपारा निवासी कमलेश्वर सिंह की कार, शिव शंकर मिश्रा की अर्टिगा, संजय जामभुलकर की हुंडई, सतीश कुमार मिश्रा की अर्टिगा, देवेंद्र कुमार गुप्ता की कार, बावसपारा निवासी विष्णु साहू की कार, सुभाष साहू की स्कॉर्पियो, संदीप पटेल की अर्टिगा, खुटनपारा निवासी देवेंद्र जायसवाल की हुंडई क्रेटा,मिशन कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार वर्मा की टाटा सफारी इत्यादि का कांच किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया है। उक्त सूचना के आधार पर थाना बैकुंठपुर में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 321/24, धारा 324(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। इसी प्रकार प्रार्थी मंतोष राजवाड़े, पिता शिवभजन राजवाड़े, निवासी चरचा गेट, मेन रोड ने थाना चरचा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी बाहर खड़ी बलेनो कार का शीशा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्थर से तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, छिंदाड में इरफान अंसारी की नेक्सॉन टाटा और चरचा मस्जिद के पास अमन इस्लाम मिया की आई 10 कार के शीशे को भी पत्थर से तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इस रिपोर्ट के आधार पर थाना चरचा में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 237/24, धारा 324(6) बीएनएस दर्ज किया गया। इन घटनाओं की जानकारी पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार को दी गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी कोरिया ने अज्ञात आरोपियों की पतासाजी के लिए थाना चरचा, थाना बैकुंठपुर और साइबर सेल की एक संयुक्त टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। जिला पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही थी तथा विभिन्न सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी इनपुट के आधार पर आरोपियों की पहचान किया जा रहा था। पतासाजी के दौरान यह सूचना प्राप्त हुई कि नेपाल गेट निवासी संस्कार चौहान अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहता है, और पूर्व में भी उस पर वाहनों के शीशे तोड़ने की शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इस सूचना पर संदेह के आधार पर संस्कार चौहान से कड़ी पूछताछ की गई, जिसमें उसने स्वीकार किया कि दिनांक 13 अक्टूबर 2024 की रात वह अपने साथी विकास सिंह और करण के साथ करण की मोटरसाइकिल से श्रीनगर गया, जहाँ उन्होंने खड़े वाहनों के शीशे पत्थर से तोड़े। इसके बाद वे बैकुंठपुर आए और वहां करीब 20 गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। तत्पश्चात, वे छिंदाड और चरचा गए, जहाँ मेन रोड, चरचा बस स्टैंड और चरचा मस्जिद के पास खड़ी गाड़ियों के शीशे भी पत्थर से तोड़ दिए। संस्कार चौहान के बयान के आधार पर उसके अन्य साथी विकास सिंह उर्फ़ तिवारी और करण को भी गिरफ्तार कर लिया गया है और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, बजाज प्लेटिना, को पुलिस ने जप्त कर लिया है। तीनों आरोपियों के मेमोरेंडम कथन से तीनो के एक सामान बयान, रूट एवं समय में होना, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान होना एवं आरोपी संस्कार द्वारा घटना के दौरान पहने गए कपडे को जप्त कर अपराध की पुष्टि होने पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसी के साथ इस प्रकरण में चेबर ऑफ कॉमर्स के स्थानीय पदाधिकारी द्वारा इस प्रकरण को लेकर पुलिस अधीक्षक कोरिया को ज्ञापन सौंपा गया था। जिनके माध्यम से एसपी कोरिया ने पुलिस ने सम्मानीय नागरिको एवं व्यापारियों से आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए अपने घर एवं प्रतिष्ठान के लिए सीसीटीवी कैमरा लगवाने का आव्हान किया है। वहीं उन्होंने एक कैमरा शहर सुरक्षा के नाम अपने संस्थान के बाहर आम रास्ते पर फोकस करते हुए लगाने के लिए भी अपील की है, ताकि नगर में होने वाली आपराधिक घटना को समय पर रोका जा सके और कानून व्यवस्था की स्थिति और बेहतर हो सके। घटना दो थाना क्षेत्र में होने की वजह से दोनों जगह अपराध दर्ज किया गया थाना बैकुंठपुर अप. क्र. - 321/24 धारा 324(5) बीएनएस थाना चरचा अप. क्र. 237/24 धारा 324(6) बीएनएस ।

आरोपियों का नाम

संस्कार चौहान पिता लखन चौहान उम्र 21 वर्ष साकिन चरचा नेपाल गेट थाना चरचा, करण कुर्रे पिता रामचंद्र कुर्रे उम्र 21 वर्ष साकिन अगस्तपुर थाना सूरजपुर हाल मुकाम नेपाल गेट चरचा, विकास सिंह उर्फ तिवारी पिता लाल बहादुर उम्र 20 वर्ष साकिन महाराणा प्रताप कॉलोनी चरचा थाना चरचा जिला कोरिया।

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

-:: ईश्तहार ::-

रा0प्र0क्रं0/ अ-6/2023-24

एतद द्वारा ग्राम परसवारखुर्द के आम नागरिक को इस ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णा देवांगन आ.रूपन राम जाति पनिका,निवासी ग्राम परसवारखुर्द, तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा वसीयतकर्ता सरजू देवांगन आ0 स्व0 सोहर देवांगन जाति पनिका,निवासी ग्राम परसवारखुर्द तहसील राजपुर, जिला बलरामपुर-रा0गंज(छ0ग0) द्वारा आवेदक के पक्ष में नोटरी के समक्ष निष्पादित वसीयतनामा दिनांक 05/06/2024 के माध्यम से ग्राम परसवारखुर्द स्थित भूमि खसरा नं- 99/2,100/2, 101/2, 160/2, 161/2, 162/2, 165/4, 170/2, 214/2, 215/2, 393/2 रकबा क्रमशः 0.020, 0.007, 0.094, 0.048, 0.164, 0.023, 0.062, 0.207, 0.020, 0.066, 0.038 कुल खसरा नं0 11 कुल रकबा 0.749 हे0 भूमि आवेदक अपने नाम पर नामातंरण कराने हेतु छ.ग. शासन भू-राजस्व संहिता की धारा 109,110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना दावा न्यायालय में दिनांक 30/10/2024 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुद्रा से जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार
राजपुर
जिला-बलरामपुर-रा0गंज(छ0ग0)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मंजुलता एक्का पत्नी विलियम वनार्ड सोरेंग जाति उरांव निवासी मसरीघाट तहसील जशपुर जिला जशपुर,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम ठाकुरपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0खसरा नंबर 674/11 रकबा 0.034 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा,नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 25/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

-:: ईश्तहार ::-

रा0प्र0क्रं0-2024050212000/अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुदेश अग्रवाल पति श्री भगवान चरण अग्रवाल, नि0 नेहरू वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) ने अनावेदिका-श्रीमती भावना परिडा पति श्री राजेन्द्र नारायण परिडा, निवासी देवीगंज रोड,अम्बिकापुर के स्वत्व एवं अधिपत्य की नजूल भूमि शीट नं0 09, मोहल्ला-बाबूपारा,नगर अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 3467/4866/56 रकबा 1272 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 18/09/2024 के माध्यम से क्रय किया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अंतर्गत धारा 109,110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/11/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/09/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सूरजपुर दोहरे हत्याकांड की कहानी सुलझ गई या अनसुलझी रह गई?

- दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूरे वारदात की संक्षिप्त जानकारी सामने रख दी...
- अब न्याय मिलना या न मिलना न्यायालय व विवेचना करने वाले अधिकारी के प्रस्तुत साक्ष्य पर होगा निर्भर
- पुलिस ने बलरामपुर से वापस आने का खुलासा कर...क्या आरोपी को न्यायालय में बचने उपाय खुद दे दिया?
- पुलिस ने भले ही विज्ञप्ति जारी कर आधी-अधूरी कहानी बता मामला न्यायालय में आरोपियों के साथ प्रस्तुत कर पल्ला झाड़ ले...पर अब कहानी अलग-अलग जुबान से अलग-अलग आ रही है सामने...
- पुलिस विज्ञप्ति जारी होने के बावजूद भी कई सवाल रह गए अनसुलझे?

- ओंकार पाण्डेय -
सूरजपुर, 17 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में जो घटना 14 अक्टूबर 2024 को हुई वह घटना काफी हृदय विदारक थी यह घटना कभी ना भूली जा सकने वाली घटना है, इस घटना में किसी आम आदमी की नहीं एक पुलिसकर्मी की पत्नी व उसकी बच्ची की हत्या हो जाती है और यह हत्या करने वाला कोई और नहीं शहर का कबाड़ी होता है और उसके साथ एक राजनीति दल से जुड़े बड़े पदाधिकारी होते हैं, भले ही इस मामले में सभी आरोपी पकड़े गए और न्यायालय में भी वह पेश कर दिए गए लेकिन पूरे घटनाक्रम के पीछे की कहानी पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति में भी साफ नहीं हो पाई,कहानी अभी भी सलझी है या अनसुलझी है यह कहना सभी का है,कहानी सुलझकर भी उलझी हुई है ऐसा अब कहा जाने लगा है क्योंकि आरोपियों को पकड़े जाने के बाद भी कई सवाल अभी भी खड़े हैं, जिसका जवाब आज भी लोग जानना चाहते हैं। पुलिस की कार्यवाही पुलिस परिवार को न्याय दिलाएगा या फिर इतिहास आरोपी या कबाड़ी को न्याय दिलाएगी या उसके साथियों सहयोगियों को न्याय दिलाएगा जो इसमें इस वारदात में उसके बराबर के सहभागी थे? यह तो समय के गर्भ में है। फिर भी जिस तरह की जल्दबाजी पुलिस की इतने बड़ी घटना में आरोपियों को न्यायालय में पेश करने व उन्हें जेल भेजने की दिखी उसके बाद यह सभी का कहना है कि बहुत कुछ इस मामले में ऐसा था जिसका की खुलासा पुलिस को प्रेस विज्ञप्ति में करना था। किन बड़े नेताओं का संरक्षण प्राप्त था आरोपियों को और किन किन किन के आरोपी संपर्क में थे? यह खुलासा होना जरूरी था किन पुलिसकर्मियों की शिकायत सामने आई जिनकी जांच के लिए दो जिले पुलिस अधिकारी एक हफ्ते में जांच कर सच्चाई सामने लाने आदेशित किए गए? यह भी स्पष्ट नहीं कर पाए आईजी सरगुजा। बड़ी हड़बड़ाहट में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया क्यों दो दो पुलिस परिवार के परिजनों का हत्या ही अंतिम मानसिकता बना अपराधियों का और किसे किसने अपराध के लिए बुलाया या सभी साथ थे एक राय थे यह बहुत कुछ विषय है जो सामने लाना था पुलिस को।

क्या पुलिस ने बलरामपुर से आरोपी की वापसी बताकर आरोपी को बचने का रास्ता दिया?

पूरे मामले में खासकर हत्या मामले में अब एक आरोपी ही शामिल था यह बात या सन्देह समाप्त हो गया। मामले में अन्य दो आरोपी भी मुख्य भूमिका में थे हत्या के दौरान वह एक राय थे यह पुलिस की विवेचना अनुसार सामने आई बात है लेकिन एक आरोपी जिसे पहले मुख्य और एक मात्र आरोपी माना जा रहा था वह गिरफ्तार बलरामपुर से हुआ और उसकी गिरफ्तारी और उसके सुरजपुर वापसी का पूरा ब्यौरा सोशल मीडिया और पुलिस की विवेचना में लिखी गई है और क्या ऐसा इसलिए किया गया जिससे वह बाद में बच निकले। वैसे मामले में जितने मुंह उतनी बांते लोगों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी बलरामपुर से होना और वहां से सुरजपुर लाए जाने का प्रचार पुलिस ने भी खूब किया और यह कहीं न कहीं हो सकता है उसे बाद में बचाव का मार्ग मिल सके ऐसा सहायक साबित हो।

पुलिस ने तो दिखाई मानवता और आरोपी के परिवार को बचाया पर क्या आरोपी का परिवार भी दिखा पाएगा मानवता?

पुलिस ने अपनी मानवता का परिचय दिया और उग्र और आक्रोशित शहर के लोगों से आरोपियों के घर और परिवारवालों को पुलिस ने बचाया और सुरक्षित रखा,वहीं क्या अब आरोपियों के परिजन भी मानवता दिखाएंगे और वह आरोपियों के लिए कठोर दंड की मांग करेंगे क्या वह उन्हें आर्थिक या किसी भी तरह की मदद न करते हुए सजा कठोर सजा का भागी बनाने में पुलिस की मदद करेंगे। वैसे अब यह देखने वाली बात होगी कि क्या आरोपियों के परिजन आरोपियों का बहिष्कार कर उन्हें समाज के लिए हमेशा के लिए खतरा मानेंगे। वैसे यदि वह ऐसा कर जाते हैं तो यह एक मिशाल होगी और आगे से फिर अपराध भी कम होगा।

आरोपियों के चेहरे पर बिल्कुल भी नहीं नजर आई सिकन

पूरे मामले के सभी आरोपियों को जब पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सामने किया मीडिया के लोगों के सामने तब यह बिल्कुल नजर नहीं आया कि वह कोई भी शिकन चेहरे पर लाए हों उन्हें कोई अफसोस हो...कोई मलाल हो या उन्हें ग्लानि या भय हो। सभी एकदम निश्चिंत नजर आए और अपराध की गंभीरता से भी वह अनभिज्ञ नजर आए। कुल मिलाकर पेशेवर अपराधियों को भी उन्होंने पीछे छोड़ दिया अपनी भाव भंगिमा से उन्होंने यह साबित किया कि वह बिल्कुल निडर हैं और कोई फर्क फिक्र उन्हें नहीं है।

जो जिलाध्यक्ष आरोपी को पदाधिकारी ना होना बता रहा था वही निकला आरोपी

कांग्रेस के आनुषंगिक छात्र संघ एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष सुरजपुर सी के चौधरी का खुद अपराध में शामिल होना सभी को आश्चर्य कर गया। अपराध घटित होने के दिन वह भी दो दो शवों के बरामद होने के बाद भी जिलाध्यक्ष एनएसयूआई सी के चौधरी सोशल मिडिया में यह बयान दे रहा था कि कुलदीप साहू का एनएसयूआई से कोई लेना देना नहीं है और वह किसी पद में नहीं है वहीं जब अपराध का खुलासा हुआ तो यह सामने आया कि वह खुद अपराधी है वह भी मुख्य। वैसे छात्र संघ के पदाधिकारी का ऐसा अमानवीय रूप सामने आना छात्र संघों के लिए भी विचारणीय है वहीं यह उन दलों के लिए भी विचारणीय है जिनके वह आनुषंगिक हैं। जब उनके छात्र नेता ही अमानवीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो आगे की कड़ी कैसे बनेगी समझा सकता है।

पूरे वारदात को अंजाम देने के बाद सभी साथी आम आदमी की तरह पुलिस के आगे पीछे घूमते रहे...

पूरी घटना और वारदात के बाद यह देखने को मिला कि आरोपी सभी निश्चिंत घूमते रहे वहीं केवल एक ही आरोपी को लेकर पुलिस भी दौड़ भाग करती रही जबकि अन्य सभी पुलिस के ही आगे पीछे घूमते रहे। पुलिस को भी तब पता चला कि आरोपी कई हैं और अन्य आराम से उनके ही आगे पीछे घूम रहे हैं जब कुलदीप साहू पकड़ा गया।

क्या अपने ही पुलिसकर्मी के लिए अधिकारी बड़ा निर्णय नहीं ले पाए?

पुलिस विभाग साथ ही सरगुजा आईजी खुद पूरे मामले में डटे रहे यह पुलिस विभाग बताता चला आता रहा कुलदीप साहू की गिरफ्तारी तक, वही जब प्रेस ब्रीफिंग हुई तब भी वह खुद प्रेस को संबोधित करते नजर आए लेकिन पूरी ब्रीफिंग यह बता गई कि पुलिस मजबूर थी अपराधियों के सामने। देखा जाए तो इस मामले मे पुलिस अपने ही विभाग के पुलिस कर्मी के पक्ष में कम नजर आई पटाक्षेप कर कानून व्यवस्था कायम करने के पीछे ही उसका पूरा ध्यान रहा! न पकड़े गए जघन्य अपराध के आरोपी ही उस तरह से नजर आए की कहा जा सके कि उनसे पुलिस की पूछताछ पुलिसिया रही । कुल मिलाकर अपने ही परिवार के मामले में पुलिस केवल किसी तरह बस पल्ला झाड़ती नजर आई जबकि यही पुलिस तब अक्रामक होती है जब इन्हें यह आदेश मिल जाता है कि कहीं घर उजड़ना है और वहां कानून व्यवस्था के लिए तैनात रहना है।

पहले दिन पुलिस का रुख था अलग फिर दूसरे दिन पुलिस का रुख कैसे बदला?

हत्याकांड के दिन सरगुजा संभाग की पुलिस आईजी सरगुजा के निर्देश और नेतृत्व में जिस तरह सक्रिय नज़र आई वही पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद क्यों सुस्त हुई यह सवाल भी उठ रहे हैं। लोगों का कहना है सब कुछ इसमें भी सेट कर ले गई पुलिस यह उनका सोशल मीडिया अकाउंट कह रहा है कि सेटिंग कर ली गई वहीं अब यदि लोगों का आरोप सही है तो यह काफी निंदा योग्य विषय है

जान बचाकर भागने वाला कबाड़ी आखिर झारखंड से क्यों लौटा क्यों अपना लोकेशन ऑन किया?

वैसे जब पूरे मामले मे शामिल एक आरोपी को पुलिस पकड़ चुकी थी जिसका नाम सीके चौधरी था और वह कुलदीप के साथ पूरे हत्याकांड में शामिल था उसके बावजूद पुलिस खुलासा क्यों नहीं कर रही थी क्यों कुलदीप का इंतजार कर रही थी। वहीं जो कुलदीप जान बचाकर प्रदेश से भाग चुका था वह क्यों एक सवारी बस से लौट रहा था। देखा जाए तो यही समझ में आ रहा है लोगों के जो वह सोशल मीडिया मेंअपने उदगार स्वरुप लिख भी रहे हैं कि कुलदीप का वापस आना ही एक प्रयोग है जहां उसे बचाया जाना ही एक निर्देश है।

क्या पुलिस कर्मी के परिवार के हत्या में भी हो रही राजनीति... क्या वोट बैंक के राजनीति को लेकर सरकार ने नहीं अपनाया कड़ा रुख?

कुलदीप साहू एक बड़ी जाती समुदाय से ताल्लुक रखता है। आज इस समुदाय की प्रदेश में निर्णायक भूमिका को लेकर कोई इनकार कर सके ऐसा संभव नहीं है। एक बड़े वोट बैंक समुदाय से ताल्लुक रखने के कारण कुलदीप को अभयदान मिल रहा है इस जघन्य अपराध उपरांत यह भी लोग कहने लगे है। कुल मिलाकर क्या सरकार ही मामले मे जरा शिथिल हुई और आरोपियों अपराधियों को कहीं न कहीं संरक्षण मिला कुछ मामले में यह कहना गलत नहीं होगा।

पुलिस का नजर में कहानी सुलझ गई जनता की नजर में कहानी उलझ गई ?

सुरजपुर एक प्रधान आरक्षक की पत्नी और पुत्री की हत्या मामले में पुलिस ने काफी तत्परता दिखाते हुए अपराधियों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया यह उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बता दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी और उसने उनका जुर्म कबूल करवाकर ही पुलिस ने उन्हें जेल भेजा और न्यायालय में पेश कर जेल भेजने का रास्ता तय किया। पुलिस ने यह साबित किया कि उन्होंने जल्द ही मामले को सुलझा लिया और आरोपी अब सलाखों के पीछे हैं वहीं लोगों की बात को यदि सुने तो कहानी मामले में अनसुलझी रह गई है। हत्या साथ ही हत्या उपरांत का आरोपियों का शवों को अन्यत्र ले जाकर फेंकने का कृत्य क्यों उन्होंने किया यह स्पष्ट नहीं किया गया? आरोपियों में से प्रहार किसने किया और हत्या की असली योजना तत्काल में ही सही किसने बनाई यह भी नहीं बताया गया विज्ञप्ति में? देखा जाए तो काफी जल्दबाजी में दिखाई दी पुलिस की कार्यवाही?

पुलिस अब कितना सबूत इकट्ठा कर सकती है अपने प्रधान आरक्षक को न्याय दिलाने के लिए

पूरा मामला अब शांत होने को है पर इस मामले के बीच यदि उम्मीद है तो वह उस प्रधान आरक्षक को जो अपने ही विभाग से यह उम्मीद लगाए बैठा है कि उसे न्याय मिल जाए, अब इस मामले में अधिकारी वह भी विवेचना अधिकारी से उम्मीद होगी कि कितना अधिक से अधिक सबूत इकट्ठा कर आरोपी को सजा के दरवाजे तक ले जा पाते हैं विवेचक ,क्योंकि अब सारी चीज ईमानदारी से आरोपी को सजा तक ले जाने की कार्यवाही पर ही टिकी हुई है क्योंकि अब पुलिस क्या करेगी इससे अब जनता को कोई लेना-देना नहीं है अब सिर्फ समय उस दिन का इंतजार करेगा जिस दिन पुलिस अपने प्रधान आरक्षक को न्याय दिलाने के लिए आरोपी को सजा दिला पाएगी भले ही आरोपी पर 3 अपराध दर्ज किए गए हैं गंभीर धाराओं के तहत दर्ज किए गए हैं पर तीनों अपराधों को सजा तक पुलिस कैसे पहुंचाएगी यह इनके विवेचना व सबूत पर टिका है? यदि पुलिस सजा नहीं दिला पाई तो मान कर चलिए की छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक और पुलिस की नाकामी के रूप में यह मामला दर्ज हो जाएगा जो अपने ही विभाग के कर्मचारियों को न्याय नहीं दिला पाया ऐसा साबित होगा?

सूरजपुर कांड...कुछ सवाल

1-जिला बदर अपराधी को खुले में घूमने की हिम्मत कहां से मिली?
2-तालिब शेख के अलावा अन्य किसी पुलिस वाले से उसकी दुश्मनी थी क्या?
3- क्या कुलदीप को पता था कि तालिब घर पर नहीं है? यदी हां तो यह जानकारी कहां से मिली?
4-अशोक कबाड़ी को इतना फलने-फूलने का मौका किसने दिया।
5- क्या यह सच है कि इसके पहले भी थाने में कुलदीप एक टी आई को थप्पड़ मार चुका था?
6- क्या बिना पुलिस मदद के कबाड़ का इतना बड़ा व्यवसाय संचालित किया जा सकता है?
7- क्या कुलदीप के साथ पुलिस वालों की भी मिली भगत हो सकती है?
8-अपराधी कुलदीप वापस गढवा से किस मकसद से आ रहा था। क्या यह संभव है कि जंहा वह इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे चुका है एवं शहर में गुस्सा उफान पर है वहीं वह वापस आए?
9-पुलिस को यदि यह पता था कि कुलदीप वापस आ रहा है तो पुलिस ने बस को फालो क्यूं नहीं किया?
10-क्या पुलिस ने सुनियोजित तरीके से कुलदीप को इनकाउंटर से बचाने के लिए समर्पण कराया जिसे गिरफ्तारी का नाम दिया जा रहा है।
12- क्या साहू समाज का बड़ा वोट बैंक भाजपा के साथ होने के कारण राजनैतिक एवं सामाजिक दबाव के कारण केस हल्का तो नहीं किया जा रहा।
14-पुलिस के छोटे सिपाहियों साथ-साथ बड़े स्तर के पुलिस अधिकारी की भी संलिप्तता की जांच होगी क्या?
15-कंही ऐसा तो नहीं पूरी घटना में लीपापोती हो जाए एवं अपराधी कुछ साल बाद बरी हो जाए?

मामले से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवाल

1: जिस पुलिसकर्मी पर उबलता हुआ तेल फेंका गया उस समय आरोपी के साथ कौन-कौन था घटना में कौन-कौन शामिल थे?
2: आरोपी ने आखिर पुलिसकर्मी पर तेल क्यों फेंका ऐसा करने के पीछे उसकी मंशा क्या उसे मारना था या फिर पुलिस को डराना मात्र था?
3: पुलिस को ही आरोपी ने टारगेट क्यों बनाया?
4: पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने के दौरान गाड़ी में कौन-कौन से आरोपी सवार थे?
5: जब आरोपी की तालिब से दुश्मनी थी और तालीब थाने के सामने खड़ा था तो फिर आरोपियों ने तालिब के घर का रुख क्यों किया?
.6: क्या आरोपी ठान चुके थे कि प्रधान आरक्षक की पत्नी व बच्ची को मारना ही है,इस वजह से वह उसके गैर उपस्थित में उसके घर गए?
.7: क्या आरोपियों में से एक का पिता जो पुलिस की पकड़ से था दूर क्या उसी ने ही पूरे मामले को सेट कर दिया?
.8: मुख्य आरोपी बाहर भाग रहा था या वापस सूरजपुर आ रहा था यह भी बात हास्यपद लग रही?
9: क्या इसके वापसी आने की बात कहीं पूरे मामले में बच निकलने की गुंजाइश तो नहीं?
10: आखिर बलरामपुर वापस क्यों आ रहा था ऐसा लग रहा था कि वह आरोपी नहीं कोई व्यक्ति कहीं से घूम के आ रहा हो।
11: क्या अन्य आरोपी जो इसके साथ कांड में शामिल थे वह लोगों को चकमा देने के लिए सभी आमजनों के सामने घूम रहे थे पुलिस को गुमराह करने के लिए?
12: जो जिलाध्यक्ष सोशल मीडिया पर बता रहा था कि कुलदीप उसकी पार्टी का नहीं आखिर वही कुलदीप के साथ हत्याकांड में शामिल था कैसे?

भारतीय टीम का 55 साल बाद ऐसा खराब रिकार्ड

» बेंगलुरु में लगी विकटों की झड़ी

बेंगलुरु, 17 अक्टूबर 2024। भारतीय टीम के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले में स्थिति काफी खराब देखने को मिली है, जिसमें पहले दिन का खेल जहां बारिश की वजह से रद्द हो गया था तो वहीं दूसरे दिन के खेल में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उनका ये निर्णय लंच के समय खेल रोके जाने के तक न्यूजीलैंड टीम के गेंदबाजों ने पूरी तरह से गलत साबित कर दिया था, जिसमें टीम इंडिया ने पहले सेशन का खेल खत्म होने पर 34 के स्कोर तक अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसी के साथ भारतीय टीम ने 55 साल के बाद घर पर ऐसा शर्मनाक दिन देखा जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

साल 1969 के बाद घर पर गंवाए इतने कम स्कोर पर 6 विकेट

बेंगलुरु टेस्ट मैच के दूसरे दिन भी बारिश के आसार होने के बावजूद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पिच में मौजूद नमी का फायदा उठाते हुए कीवी टीम के तीन तेज गेंदबाज टिम साउदी, मैट हेनरी और विलियम ओ रुर्के ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। रोहित शर्मा जहां सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए तो वहीं विराट कोहली और सरफराज खान अपना खाता भी खोलने में कामयाब नहीं हो सके। लंच के समय जब खेल खत्म हुआ तो टीम इंडिया ने 34 के स्कोर तक अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। साल 1969 के बाद टीम इंडिया ने घर पर खेले गए किसी टेस्ट मैच में इतने कम स्कोर पर अपने शुरुआती 6 विकेट गंवाए हैं। इससे पहले उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 55 साल पहले हैदराबाद टेस्ट मैच में 27 के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए थे।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट मैच में टीम इंडिया की पहली पारी में ऐसा शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार ऐसा किसी पारी में देखने को मिला है जब टॉप-8 बल्लेबाजों में से 5 अपना खाता भी खोलने में कामयाब नहीं हो सके। इससे पहले साल 1988 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर टेस्ट मैच में ऐसा देखने को मिला था।

संक्षिप्त खेल की खबरें

स्मिथ,स्टार्क न्यू साउथ वेल्स टीम में शामिल

तीन साल बाद शेफील्ड शील्ड मैच खेलेंगे

सिडनी, 17 अक्टूबर 2024। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट स्टार स्टीवन स्मिथ और मिचेल स्टार्क तीन साल से अधिक समय में अपना पहला शेफील्ड शील्ड मैच खेलेंगे। दोनों को रविवार को एमसीजी में विक्टोरिया के खिलाफ 2024/25 शेफील्ड शील्ड के दूसरे दौर के लिए 13 खिलाड़ियों वाली न्यू साउथ वेल्स टीम में शामिल किया गया है।स्टीव स्मिथ और स्टार्क, नाथन लियोन के साथ टीम में शामिल होंगे, जिसमें विश्व कप विजेता सीन एबॉट और पूर्व टेस्ट तेज गेंदबाज जैक्सन बर्ड भी शामिल हैं। मोइसेस हेनरिक्स टीम की कप्तानी करेंगे, जिसमें जोश फिलिप, ओली डेविस और सैम कोंस्टास भी शामिल हैं।

साजिद खान ने पारी में झटके 7 विकेट

नईदिल्ली, 17 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच दूसरे टेस्ट मैच में साजिद खान ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट हॉल (कुल 7 विकेट) लिए हैं।यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा 5 विकेट हॉल है। इंग्लैंड के खिलाफ साजिद ने पहली बार 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

भारतीय बल्लेबाजों का लिस्ट-ए क्रिकेट में 55 से अधिक का रहा है औसत

नईदिल्ली, 17 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान लिस्ट-ए क्रिकेट में अब तक विश्व के चुनिंदा ऐसे बल्लेबाज हुए हैं, जिनकी औसत 55 से ऊपर (कम से कम 2,000 रन वाले खिलाड़ियों में) की रही है।इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ औसत वाले शीर्ष-10 खिलाड़ियों में से 4 बल्लेबाज भारत के मौजूद हैं।भारत के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली भी इस सूची का हिस्सा हैं।इस बीच 55 से अधिक के औसत वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

विश्व के बल्लेबाजों में लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे बेहतर औसत रुतुराज गायकवाड़ का रहा है।उन्होंने अब तक 77 लिस्ट-ए मैचों में 58.16 की औसत के साथ 4,130 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 15 शतक और 17 अर्धशतक लगाए हैं।वह इस प्रारूप में दोहरा शतक लगाने का कारनामा भी कर चुके हैं।इतने जोरदार आंकड़ों के बावजूद उन्हें वनडे क्रिकेट में ज्यादा मौके नहीं मिले हैं। उन्होंने भारतीय टीम से 6 वनडे में कुल 115 रन बनाए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई रिकॉर्ड्स हासिल कर चुके कोहली ने अपने लिस्ट-ए करियर में 329 मैच खेले हैं, जिसमें 57.05 की औसत के साथ 15,348 रन बनाए हैं।इस बीच उन्होंने 183 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 54 शतक और 80 अर्धशतक लगाए हैं।लिस्ट-ए क्रिकेट में कोहली से बेहतर औसत सिर्फ गायकवाड़, माइकल बेवन (57.86) और सैम हैन (57.76) का हैं।कोहली ने अपने वनडे करियर में अब तक 13,906 रन बनाए हुए हैं।

चेतेश्वर पुजारा को भारत के सफल टेस्ट क्रिकेटर के रूप पर देखा जाता है। हालांकि, उनके लिस्ट-ए क्रिकेट के आंकड़े भी बेमिसाल हैं।पुजारा ने 2006 से 2023 तक 113 लिस्ट-ए मैचों में 57.01 की औसत के साथ 5,759 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 16 शतक और 34 अर्धशतक निकले हैं।उन्हें भारतीय टीम से सिर्फ 5 वनडे मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने कुल 51 रन बनाए थे।सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने अब तक 65 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिसमें 55.72 की औसत के साथ 3,399 रन बनाए हैं।इस बीच उन्होंने 244 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 10 शतक और 14 अर्धशतक लगाए हैं।25 वर्षीय इस बल्लेबाज ने भारत की ओर से अब तक सिर्फ 6 वनडे खेले हैं, जिसमें 31.50 की औसत के साथ 189 रन बनाए थे।वह भारतीय टीम को अब तक स्थापित नहीं कर सके हैं।शुभमन गिल ने अपने लिस्ट-ए करियर में 102 मैचों में 52.18 की औसत के साथ 4,592 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 12 शतक और 24 अर्धशतक लगाए हैं।

जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स के क्रिकेट निदेशक बने सौरव गांगुली

नईदिल्ली, 17 अक्टूबर 2024। भारत के सबसे सफल कप्तानों में शुमार सौरव गांगुली को जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स ने नया क्रिकेट निदेशक बनाया है। गांगुली आईपीएल में जेएसडब्ल्यू की टीम दिल्ली कैपिटल्स से 2019 में सलाहकार के तौर पर जुड़े और कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम किया। बाद में वह कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक बने।गांगुली ने अपनी नयी भूमिका के बारे में यहां जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' मैं जेएसडब्ल्यू समूह और जिंदल परिवार को व्यक्तिगत और पेशेवर तौर पर जानता हूं जिससे यह फैसला लेना आसान हो गया। मुझे खुशी है कि क्रिकेट से जुड़े उनके प्रोजेक्ट में मेरा अनुभव दे सकता हूं।'

भारत में नहीं सऊदी अरब में होगा आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन का आयोजन

» नवंबर में हो सकती है नीलामी

सऊदी अरब, 17 अक्टूबर 2024। आईपीएल 2025 के लिए फैंस उत्साहित हैं। हर कोई आईपीएल के नए सीजन के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन उससे पहले आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन होना है। जिसका वेन्यू और डेल लगभग फाइनल हो चुके हैं। स्पोर्टस्टार के अनुसार कहा जा रहा है कि,मेगा नीलामी 2025 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में आयोजित की जाएगी। पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी दुबई, यूएई में हुई थी, लेकिन इस बार ये एक अलग शहर में होगी। ये पहली बार होगा जब आईपीएल की नीलामी रियाद या सऊदी अरब के किसी अन्य शह में होगी।

डेल स्टेन ने छोड़ा एसआरएच का साथ

आईपीएल 2025 में नहीं होंगे टीम के गेंदबाजी कोच

हैम्ब्रिज, 17 अक्टूबर 2024। साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज गेंदबाज डेल स्टेन ने आईपीएल 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद का साथ छोड़ दिया है। जी हां डेल स्टेन ने सनराइजर्स हैदराबाद से अपनी राहें अलग कर ली हैं। वह एसआरएच के बॉलिंग कोच थे, लेकिन अब वे किसी और फ्रेंचाइजी के साथ नजर आ सकते हैं। हालांकि,उन्होंने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वे एसए20 लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की सिस्टर फ्रैंचाइजी सनराइजर्स ईस्टर्न केप में टीम के कोचिंग स्टाफ में बरकरार रहेंगे।

मैट हेनरी ने 5 विकेट लेकर पूरे किए 100 विकेट

नील वैगनर के रिकॉर्ड की बराबरी की

बैंगलुरू, 17 अक्टूबर 2024। तेज गेंदबाज मैट हेनरी की घातक गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने बारिश से बाधित टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत को पहली पारी में उसके न्यूनतम स्कोर 46 रन पर समेट दिया। तेज गेंदबाज विलियम ओरूर्क ने भी चार विकेट झटके। हेनरी ने 13.2 ओवर में 15 रन देकर पांच विकेट लिए। पांच विकेट हॉल लेने के साथ हैनरी न्यूजीलैंड के सयुंक्त रूप से दूसरे सबसे तेज 100 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

हॉलीवुड जाने की तैयारी में विजय वर्मा

छोटे किरदारों से शुरू किया करियर और बन गए स्टार

बॉलीवुड फिल्मों में अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले एक्टर विजय वर्मा अब लीड हीरोज में गिने जाते हैं। विजय वर्मा ने बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों और सीरीज में काम किया है। विजय वर्मा हाल ही में डायरेक्टर अनुभव सिन्हा की नेटफ्लिक्स सीरीज 814 कंधार हाईजैक में अहम किरदार में नजर आए थे। अब विजय वर्मा बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड का भी सपना देख रहे हैं।विजय वर्मा ने हाल ही में अपने हॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलासा किया है। विजय वर्मा ने वैराइटी मैग्जीन से बात करते हुए बताया, हॉलीवुड में जाने का ये सबसे बढ़िया समय है। अब सिनेमा में कलरब्लाइंड कास्टिंग होने लगी है। इसके कारण मौके काफी बढ़ गए हैं। इंटरनेशन मेकर्स भी बॉलीवुड के कलाकारों को मौका दे रहे हैं। मेरी कुछ मेकर्स से बात चल रही है। अगले साल की शुरुआत में मैं उम्मीद कर रहा हूं कि कुछ काम का मौका बन सकता है। लेकिन अभी मैं अपने पुराने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हूं।विजय वर्मा आज बॉलीवुड के लीड एक्टर्स में गिने जाते हैं और खूब पसंद भी किए जाते हैं। विजय वर्मा ने अपने करियर की शुरुआत छोटे किरदारों से की थी। महज चंद सालों में विजय वर्मा ने बॉलीवुड में अपनी जमीन तलाशी है। साल 2010 में विजय वर्मा ने फ्लाइंग हाई नाम के प्रोजेक्ट्स से अपने करियर की शुरुआ की थी। इससे पहले कुछ यूट्यूब सीरीज और शॉर्ट फिल्मों में काम कर चुके थे। लेकिन रंगरेज फिल्म में विजय वर्मा ने अहम किरदार निभाया था। पिंक फिल्म में भी विजय वर्मा ने बड़ा रोल किया था।साल 2019 में आई सुपरहिट फिल्म गली बॉय में भी विजय वर्मा ने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता था। यहीं से विजय वर्मा स्टार बने थे। अब विजय वर्मा अपने हॉलीवुड डेब्यू की तैयारी में जुट गए हैं।

न आलिया,न ऐश्वर्या और न प्रियंका चोपड़ा, भारत की सबसे अमीर हैं 90 की ये एक्ट्रेस

भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस की बात करें तो हो सकता है आपके दिमाग में आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण या फिर यकीनन प्रियंका चोपड़ा का नाम आए। लेकिन यहां आप गलत हैं और आपको जानकर हैरानी होगी कि इन नए नाम से इसमें कोई भी नाम नहीं बल्कि भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस 90 के दशक की स्टार हैं। आपको ये जानकर भी हैरानी होगी कि साल 2009 से उनके नाम कोई बॉक्स ऑफिस सेमी हिट फिल्म नहीं है। इसके बावजूद वो आज की टॉप स्टार्स से कहीं ज्यादा अमीर है।

साल 2009 के बाद एक भी हिट फिल्म नहीं दी

वो दौर 90 के दशक का था जब इंडियन एक्टर्स ने किसी फिल्म के लिए 1 करोड़ रुपये फीस का आंकड़ा पार किया था। जल्द ही, बड़े स्टार्स कई ऐड के चेहरे बन गए और पैसा पानी की तरह बहने लगा। कई एक्टर्स ने एक्टिंग के साथ-साथ बिजनेस की दुनिया में भी हाथ बढ़ाया और करोड़पति बन गए। इसलिए, इसमें कोई हैरानी नहीं कि भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस दुनिया की टॉप 10 सबसे अमीर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हों। हैरानी वाली बात ये है कि एक्ट्रेस ने पिछले दशक में एक भी हिट फिल्म नहीं दी है।

बिजनेस पार्टनर शाहरुख खान के बाद दूसरे नंबर

जूही चावला को भारत की सबसे अमीर एक्ट्रेस बताया गया है। दरअसल हुरुन रिच लिस्ट 2024 के मुताबिक, सबसे अमीर भारतीय एक्टर्स की बात करें तो उनकी संपत्ति उनके दोस्त और बिजनेस पार्टनर शाहरुख खान के बाद दूसरे नंबर पर बताई जा रही है। हुरुन के अनुसार, जूही की कुल संपत्ति करीब 4600 करोड़ (580 मिलियन) है, जो उनके किसी भी साथी कलाकार या जूनियर से कहीं अधिक है

दूसरे नंबर पर ऐश्वर्या और तीसरे पर प्रियंका चोपड़ा

अगर जूही के बाद पांच सबसे अमीर इंडियन एक्ट्रेस की कुल संपत्ति को एक साथ रखा जाए, तो भी ये उनकी संपत्ति से कम ही साबित होगी। जूही के बाद दूसरे पोजिशन पर ऐश्वर्या राय बच्चन हैं, जिनकी कुल संपत्ति 100 मिलियन डॉलर (लगभग ₹ 850 करोड़) से अधिक बताई गई है। प्रियंका चोपड़ा अपने ब्रांड और फिल्म प्रॉडक्शन कंपनी और हॉलीवुड फिल्मों की बदौलत करीब ₹ 650 करोड़ की संपत्ति के साथ तीसरे पोजिशन पर हैं। टॉप 5 एक्ट्रेस में आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण भी हैं, जो एक्टिंग के साथ-साथ बिजनसवुमन भी बन चुकी हैं।

इन दो फिल्मों ने बना दिया अक्षय कुमार को ओटीटी किंग

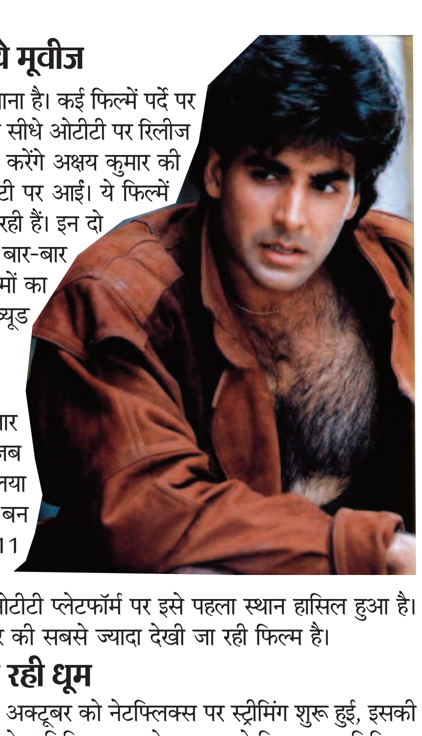

एशिया में सबसे ज्यादा देखी जा रहीं ये मूवीज

बॉक्स ऑफिस नंबर फिल्मों की सफलता का बॉलीवुड में एक पैमाना है। कई फिल्में पर्दे पर आती हैं और बुरी तरह पिट जाती हैं। वहीं कई फिल्में ऐसी भी हैं जो सीधे ओटीटी पर रिलीज होती हैं और उनका दबदबा देखने को मिलता हैं, लेकिन हम बात करेंगे अक्षय कुमार की उन फिल्मों की जो पहले बड़े पर्दे पर रिलीज हुईं और फिर ओटीटी पर आईं। ये फिल्में सिनेमाघरों में बुरी तरह पिटीं लेकिन ओटीटी पर अब तबाही मचा रही हैं। इन दो फिल्मों का दबदबा एशिया भर में देखने को मिल रहा है। ये फिल्में बार-बार देखी जा रही हैं और लोग को खूब पसंद भी आ रही हैं। इन फिल्मों का असर कुछ ऐसा है कि ये मोस्ट वॉच्ड और नंबर वन ओटीटी व्यूड फिल्में बन गई हैं।

इस फिल्म का भी जलवा

बॉलीवुड के सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक अक्षय ने लगातार ऐसी फिल्में दी हैं जो दर्शकों को पसंद आईं। फिर एक दौर आया जब सिनेमाघरों में उनकी फिल्में नहीं चलीं। इन्हीं फिल्मों में उनकी हालिया रिलीज सरफिरा और खेल खेल में दोनों ही दर्शकों की पसंदीदा बन गई हैं। सरफिरा, जुलाई में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई, अब 11 अक्टूबर से ये डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। केवल एक सप्ताह के भीतर ही ये दर्शकों की पहली पसंद बन गई हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इसे पहला स्थान हासिल हुआ है। इसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इन दिनों ये डिज्नी प्लस हॉटस्टार की सबसे ज्यादा देखी जा रही फिल्म है।

खेल खेल में मचा रही धूम

खेल खेल में जिसका प्रीमियर अगस्त में बड़े पर्दे पर हुआ और 9 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग शुरू हुई, इसकी भी धूम देखने को मिल रही है। केवल चार दिनों में कॉमेडी-ड्रामा को 4 मिलियन बार देखा गया। ये फिल्म 8.7 मिलियन घंटे देखी गई और पूरे एशिया में नंबर 1 स्थान पर है। यह फिल्म 13 देशों में शीर्ष 10 में ट्रेंड कर रही है, जो अक्षय कुमार की व्यापक लोकप्रियता की पुष्टि करती है।

इन फिल्मों में नजर आएंगे अक्षय

दर्शकों से जुड़ने की अक्षय की उल्लेखनीय क्षमता ने एक बार फिर लोगों का दिल जीता है और ओटीटी के किंग के रूप में उबरे हैं। अक्षय के पास आगे कई फिल्में लाइनअप में हैं। अक्षय कुमार जल्द ही स्काई फोर्स, हाउसफुल 5, वेलकम टू द जंगल और जॉली एलएलबी 3 में दिखाई देंगे। उत्साह को बढ़ाते हुए वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में सूर्यवंशी के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका को दोहराएंगे, जो दिवाली रिलीज के लिए सेट हैं।

विधानसभा उपचुनाव के लिए सुगबुगाहट तेज

» सीएम साय ने कहा... रायपुर दक्षिण सीट हमारे लिए चुनौती...

» कांग्रेस पार्टी में भी बैठकों का दौर जारी...

» भाजपा की रिकॉर्ड जीत के लिए प्रमुख नेताओं की हुई बैठक...

रायपुर,17 अक्टूबर 2024 (ए)। राजधानी रायपुर की दक्षिण विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। इस सीट को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रायपुर दक्षिण का उपचुनाव हमारे लिए चुनौती है। सामने वालों को कमजोर नहीं मानना चाहिए। हालांकि यह सीट भाजपा की ही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, यहां से लगातार आठ बार विजयी रहे हैं। 2023 में तो वे 65 हजार के रिकॉर्ड मतों से जीते थे। उन्होंने दावा किया कि उपचुनाव में यह रिकॉर्ड भी पार कर लेंगे।

प्रत्याशी की घोषणा कभी भी...जायसवाल

उपचुनाव की तारीख का ऐलान होते ही भाजपा की एक आवश्यक बैठक एकात्म परिसर में हुई। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर बैठक ली, जिसमें रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रमुख पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदेश संगठन महामंत्री साय ने बैठक में मंडल, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर की जानकारी ली एवं बैठक में आए सभी लोगों का मार्गदर्शन किया। स्वास्थ्य मंत्री और उपचुनाव के संयोजक श्यामबिहारी जायसवाल ने भी उपचुनाव में एक बार फिर भाजपा की रिकॉर्ड मतों से जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।इस मौके पर रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के प्रभारी स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि अधिसूचना जारी हो रही है। भाजपा प्रत्याशी की घोषणा परसों भी हो सकती है, या दो दिन बाद भी। इसे देखते हुए वे विधानसभा क्षेत्र के सभी भाजपा मंडलों में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इससे पहले बुधवार शाम शहर भाजपा की बैठक एकात्म परिसर में हुई। इसमें टिकट के सभी दावेदार मौजूद रहे।बीजेपी की इस बैठक में भाजपा संभाग प्रभारी सौरभ सिंह, पूर्व सांसद सुनील सोनी, दक्षिण विधानसभा प्रभारी विजय केसरवानी जिला अध्यक्ष जयंती पटेल ,महामंत्री रमेश सिंह ठाकुर, सत्यम दुआ, मोहन एंटी, अकबर अली, मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, सच्चिदानंद उपासने, सुभाष तिवारी, जेपी शर्मा, मिर्जा एजाज बेग, मीनल चौबे, सरिता वर्मा, सरिता दुबे, मनोज वर्मा, मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा, मुकेश पंजवानी, सालिक ठाकुर, प्रवीण देवड़ा उपस्थित थे।

9 उड़नदस्तों की टीम रखेगी चुनावी खर्च पर सख्त निगरानी,चार स्थानों पर नाके भी किए गए स्थापित

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के साथ ही चुनावी तैयारियां तेज़ हो गई हैं, इसके साथ ही आदर्श आचार संहिता भी लागू कर दी गई है। इसी कड़ी में निर्वाचन आयोग ने चुनावी खर्चों पर सख्त निगरानी रखने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। इसके तहत रायपुर जिले में कुल 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है, जो चुनावी गतिविधियों की निगरानी करेंगे।

चुनाव खर्च पर कड़ी नज़र रखने के लिए 9 उड़नदस्ता दल (एफएसटी), 12 स्थैतिक निगरानी दल (एसएसटी), और दो वीडियो अवलोकन दल (वीवीटी) बनाए गए हैं। इन दलों का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान होने वाले खर्च और गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखना है, ताकि आचार संहिता का पूरी तरह से पालन हो सके। इसके अतिरिक्त, रायपुर में चार स्थैतिक नाके भी स्थापित किए गए हैं। यह नाके देवपुरी (टिकरापारा थाना), भाठागांव (पुरानी बस्ती थाना), अग्रसेन चौक (आज़ाद चौक थाना) और सुभाष स्टेडियम (कोतवाली थाना) में बनाए गए हैं। इन नाकों पर चेकिंग टीम तैनात रहेगी और सभी वाहनों की गहन जांच की जाएगी, जिससे चुनावी खर्च और अन्य गतिविधियों में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर रोक लगाई जा सके।

जांगिड़ पहुंचे,कांग्रेसी पार्षदों की ली बैठक

उधर कांग्रेस के सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने आज रायपुर पहुंचने के बाद राजीव भवन में बैठक ली। उन्होंने पहली बैठक रायपुर दक्षिण के पार्षदों की ली। इस क्षेत्र के 20 वार्डों में कांग्रेस के 8 पार्षद हैं। इनमें महापौर एजाज ढेबर भी शामिल हैं। बैठक में वे भी मौजूद रहे। इसमें पीसीसी चीफ दीपक बैज बस्तर प्रवास के चलते शामिल नहीं हो सके। उनके स्थान पर महासचिव, प्रशासन मलकीत सिंह मौजूद रहे। जांगिड़ ने मीडिया से चर्चा में कहा कि सभी नेता पदाधिकारियों से चर्चा के बाद कांग्रेस मजबूत चेहरा देगी। हम जीतने के लिए चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस नया इतिहास रचेगी, और भाजपा का भी इतिहास टूटेगा।

रायपुर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए अधिसूचना का प्रकाशन 18 अक्टूबर को

रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए अधिसूचना का प्रकाशन 18 अक्टूबर को किया जाएगा। उप-निर्वाचन के लिए अधिसूचना के प्रकाशन के साथ ही नामांकन दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा के बाद उम्मीदवार 30 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। उप-निर्वाचन के लिए 13 नवम्बर को मतदान और 23 नवम्बर को मतगणना होगी।

महादेव सट्टा एप्प मामले में कारोबारी सुनील दम्मानी और दीवान की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी

बिलासपुर,17 अक्टूबर 2024 (ए)। महादेव सट्टा ऐप्प से जुड़े कारोबारी सुनील दम्मानी और नीतीश दीवान की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है। जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि महादेव सट्टा ऐप्प के प्रमुख संचालक सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद उसे दुबई से भारत लाने की प्रक्रिया चल रही है।

जानकारी के अनुसार सौरभ चंद्राकर इस एप के सबसे बड़े हिस्सेदार हैं, जिनकी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी बताई जाती है, जबकि उनके सहयोगी रवि उप्पल का इसमें 25 प्रतिशत हिस्सा है। इस मामले में शुभम सोनी, रायगढ़ के अनिल अग्रवाल उर्फ अतुल अग्रवाल और अन्य व्यवसायी भी शामिल हैं।

इस ऐप्प के साम्राज्य में हवाला के जरिए पैसे के लेन-देन, सट्टेबाजों को पैनल बांटने, और कई अन्य अनियमितताओं के चलते अब तक 300 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 70 से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा की जा रही है। अब तक इस मामले में 19 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। महादेव सट्टा ऐप्प मामले में गिरफतार आरोपियों में सुनील दम्मानी, नितीश दीवान, अनिल दम्मानी, चंद्रभूषण वर्मा, असीम दास, भीम सिंह, अर्जुन यादव सहित कई अन्य नाम शामिल हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

लोक निर्माण विभाग में 51 अधिकारियों की हुई पदोन्नति

रायपुर,17 अक्टूबर 2024(ए)। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग ने 51 अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा तीन कार्यपालन अभियंताओं को अधीक्षण अभियंता पदोन्नत किया गया है। वहीं 48 सहायक अभियंताओं को कार्यपालन अभियंता पदोन्नत किया गया है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद शासन द्वारा मंत्रालय से पदोन्नति आदेश जारी कर दिए गए हैं। इन पदोन्नत अधिकारियों की पदस्थापना बाद में की जाएगी।

फाइनेंस बैंक का कैशियर 5 लाख नकदी लेकर फरार

गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

कोरबा ,17 अक्टूबर 2024(ए)। कोरबा में इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक का कैशियर 5 लाख रुपए लेकर फरार हो गया है। बैंक मैनेजर की रिपोर्ट पर सिविल लाइन पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। फरार कैशियर की खोजबीन की जा रही है। इस बीच एक टीम ओडिशा से बैरंग लौट आई।

छत्तीसगढ़ के 5 आईपीएस अधिकारियों का हुआ ट्रांसफर

रायपुर ,17 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग ने 5 आईपीएस अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है. आदेश के मुताबिक आईपीएस अरविंद कुजूर, धर्मेंद्र सिंह छवई, श्वेता राजमणी, उदय किरण सिंह और मनोज कुमार खिलारी का तबादला किया गया है। गृह विभाग के अवर सचिव के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, आईपीएस अरविंद कुमार कुजूर को उप पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर की जिम्मेदारी दी गई है. आईपीएस धर्मेंद्र सिंह छवई को सेनानी, 15वी वाहिनी बीजापुर भेजा गया है. आईपीएस श्वेता राजमणि को सेनानी 19वी वाहिनी जिला बस्तर, आईपीएस उदय किरण को सेनानी 9वी वाहिनी दंतेवाड़ा और आईपीएस मनोज कुमार खिलारी सेनानी 2री वाहिनी जिला बिलासपुर भेजा गया है।

छत्तीसगढ़ मंडी बोर्ड ने की सहायक संचालक,सचिव वरिष्ठ और सचिव कनिष्ठ पदों के साक्षात्कार के लिए सूची जारी

» 4 नवंबर से 6 नवंबर तक पात्र अभ्यर्थियों का होगा दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार...

» अभ्यर्थी विभागीय वेबसाईट में कर सकते हैं अवलोकन...

रायपुर,17 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा व्यापम के माध्यम से सहायक संचालक, सचिव वरिष्ठ एवं सचिव कनिष्ठ के 30 पदों की भर्ती हेतु लिखित परीक्षा के पश्चात् साक्षात्कार के लिए 95 अभ्यर्थियों को चिन्हांकित किया गया है। व्यापम द्वारा लिखित परीक्षा के प्राप्त परिणामों के आधार पर साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची मंडी बोर्ड के वेबसाईट में 16 अक्टूबर को प्रदर्शित कर दी गई है।

आगामी माह के 4 नवंबर से 6 नवंबर तक अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन तथा साक्षात्कार प्रात 9.30 बजे से सायं 5 बजे तक कार्यालय प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड, सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन, सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर में आयोजन किया गया है। अभ्यर्थी साक्षात्कार से संबंधित संपूर्ण जानकारी वेबसाईट में प्राप्त कर सकते हैं और साक्षात्कार हेतु चयनित अभ्यर्थियों को उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से भी पत्र भेजा गया है।ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने प्रदेश की ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए शासकीय विभागों में नौकरियों का द्वार खोल दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने इन विषयों को गंभीरता से लेते हुए जल्द रिक्त पदों की पूर्ति करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के सहायक संचालक, वरिष्ठ सचिव एवं कनिष्ठ सचिव के 30 पदों पर व्यापम से लिखित परीक्षा में सफल हुए वरीयता प्राप्त अभ्यर्थियों के चयन के लिए अवसर प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय आज लेंगे गृह विभाग की अहम बैठक

रायपुर,17 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लगातार बड़ी घटनाएं हो रही। बलौदाबाजार,कवर्धा लोहारीडीह के बाद सूरजपुर में बड़ी वारदात हुई, जहां आरोपियों ने पुलिसकर्मी की पत्नी और बेटी को मौत के घाट उतारा। इस घटना के बाद कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमत्री विष्णुदेव साय कल शुक्रवार को गृह विभाग की बैठक बुलाई है, जिसमें उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के साथ डीजीपी समेत राज्य के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। बैठक सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री निवास में होगी, जिसमें प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर, कानून व्यवस्था, नक्सल अभियान की समीक्षा की जाएगी। सूरजपुर घटना के बाद इस बैठक को कई मायनों में खास माना जा रहा है। सीएम साय प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस अफसरों को सख्त निर्देश देंगे।

22 अक्टूबर तक ईडी रिमांड पर रहेगी निलंबित आईएएस रानू साहू

रायपुर,17 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ डीएमएफ घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई जारी है। जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू को ईडी ने आज कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने रानू साहू को 22 अक्टूबर तक ईडी रिमांड पर सौंपा। इस दौरान रोजाना सुबह 10 से 5 बजे तक ईडी रानू साहू से पूछताछ करेगी। कोर्ट ने स्वजनों को एक दिन छोड़कर मिलने देने का आदेश भी दिया है।

रेलवे में आरक्षण अब 60 दिन पहले

» ट्रेनें कैंसिल होने की परेशानी से मिलेगी राहत...

रायपुर,17 अक्टूबर 2024 (ए)। रेलवे बोर्ड ने सीटों के आरक्षण की एडवांस टाइम लिमिट को 120 से घटाकर 60 दिन कर दिया है। यह व्यवस्था 1 नवंबर से या उसके बाद की तिथियों में आरक्षण कराने पर लागू होगी। रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर पैसेंजर मार्केटिंग संजय मिनोचा ने यह आदेश जारी किया है। हालांकि, रेलवे ने इस कदम के पीछे का तर्क नहीं बताया है।

रेलवे ने कहा, 1 नवंबर 2024 से एडवांस रिजर्व पीरिएड 60 दिनों (यात्रा के दिन को छोड़कर) का होगा और बुकिंग उसी के अनुसार की जाएगी। हालांकि, 120 दिनों की एडवांस रिजर्व पीरिएड के तहत 31 अक्टूबर 2024 तक की गई सभी बुकिंग बरकरार रहेंगी।

हालांकि, 60 दिनों के एडवांस रिजर्व पीरिएड से इतर की गई बुकिंग को रद्द करने की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही जिन ट्रेनों का एडवांस रिजर्व पीरिएड पहले ही कम है, उन पर भी इसका असर नहीं होगा। ऐसी ट्रेनों में गोमती एक्सप्रेस और ताज एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां शामिल हैं। इन ट्रेनों में वर्तमान में अग्रिम आरक्षण के लिए कम समय-सीमा पहले से ही लागू है। विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिन की सीमा के मामले में भी कोई बदलाव नहीं होगा। बीते दो वर्षों में ट्रेनों के कैंसिल होने के मामले काफी बढे हैं, ऐसे में काफी समय पहले रिजर्वेशन कराने वाले यात्रियों को काफी परेशानी होती है। 4 महीने पहले किए गए आरक्षित टिकट अक्सर ट्रेनों के कैंसल होने या अन्य वजहों से रद्द हो जाते हैं। 2 महीने का अग्रिम आरक्षण रद्द ना होने की ज्यादा संभावना रहती है। साथ ही इससे बड़ी संख्या में जरूरी आरक्षण से भी बचा जा सकेगा।

125 एमबीबीएस पास डॉक्टरों को स्वास्थ्य विभाग ने दी पोस्टिंग

रायपुर,17 अक्टूबर 2024(ए)। स्वास्थ्य विभाग ने 125 एमबीबीएस पास डॉक्टरों व छात्रों को दो साल की संविदा नियुक्त पर प्रदेश के अस्पतालों में पदस्थ किया है। डॉ. रिया जायसवाल को बैकुंठपुर, डॉ. विजया खेलवाड़े को अभनपुर, डॉ. आयुष पटेल को बोरिया खुर्द, डॉ. रूप शुक्ला को बस्तर, डॉ. आयुष कुमार सिंघानिया, डॉ. मानसी सिंह, डॉ. प्रीति जाटवार व डॉ. विश्वजा जाउरकर को मेडिकल कालेज रायपुर में पदस्थ किया गया है।इनके अलावा डॉ. सुमन सचदेव को गोबरा नवापारा, डॉ. ऐश्वर्या कश्यप को भनपुरी, डॉ. हर्षाली नवलानी चटौद, डॉ. पंकज अग्रवाल दामाखेड़ा, डॉ. साक्षी केशरवानी रोहांसी, डॉ. वैदेही यादव कोसमंदी, डॉ. साइमा चौबे महासमुंद, डॉ. साक्षी नथानी, डॉ. दियांश कश्यप, डॉ. दीक्षा सिंह व डॉ. आकांक्षा तिवारी बिलासपुर, डॉ. आंचल गर्ग व डॉ. श्रुति पांडेय मस्तूरी, डॉ. शिवांगी पांडेय पोड़ीदल्हा, डॉ. मोनिका शर्मा रतनपुर, डॉ. प्रणम्य वैष्णव घौरपुरा, डॉ. कार्तिकेय सापरिया राम्हेपुर, डॉ. रोशन सोनी चेतमा, डॉ. अरविंद पटेल झलमला, डॉ. भास्कर मिश्रा बस्ती में पदस्थ किए गए हैं। डॉ. मयंक कुमार कौशले बलौदा, डॉ. नुपूर दवे सोंठी, डॉ. प्रवेश अग्रवाल सारंगढ़, डॉ. गौरवकांत ताम्रकर सुपेला, डॉ. सृष्टि गुप्ता भिलाई -3, डॉ. प्रांजलि साहू धमधा, डॉ. खुशबू यादव अंजोरा, डॉ. ऋषभ जैन बटरेल, ईशिता धीर राजनांदगांव, डॉ. पुरुषोत्तम धनेलिया कबीरधाम, डॉ. अमन विरदी बेमेतरा, डॉ. विशे, साहू मरका, डॉ. वेदप्रकाश सिन्हा गोटाटोला, डॉ. शुभम ठाकुर दल्ली राजहरा, डॉ. सौरभ अग्रवालदरिमा, डॉ. शचिस कुमार मिश्रा कमलपुर, डॉ. आयुष जैन अंबिकापुर और डॉ. आयुशी गुप्ता मेडिकल कालेज अंबिकापुर के नाम शामिल हैं। डॉ. प्रणव कुमारसिंह मरावी वंदना, डॉ. रोज सिंह चिरमिरी, डॉ. उत्कर्ष वर्मा धरसेड़ी व डॉ. उन्नति गुप्ता बलरामपुर में पदस्थ किए गए हैं।

डीएड अभ्यर्थियों ने मंत्रालय के सामने किया धरना प्रदर्शन

हाई कोर्ट के आदेश पर नियुक्ति देने की मांग

रायपुर,17 अक्टूबर 2024(ए)। डीएड डिप्लोमा अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर सोमवार को मंत्रालय के सामने गेट पर बैठकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सहायक शिक्षक के 2800 से अधिक पदों पर अवैध भर्ती की गई है।इन आदेशों का पालन कराना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है, लेकिन अधिकारियों ने इन आदेशों को नजरअंदाज कर दिया है। इस स्थिति को देखते हुए अभ्यर्थियों ने मंत्रालय के सामने प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।डीएड अभ्यर्थियों विकास और अविनाश ने बताया कि 300 से अधिक अभ्यर्थी आज महानदी भवन मंत्रालय, नया रायपुर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों के अनुसार शिक्षा विभाग जल्दी से जल्दी डीएड के लिए नियुक्तियां प्रदान करे।' अभ्यर्थियों का आरोप है कि आज हाईकोर्ट के आदेश को आए 8 महीने और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आए 2 महीने हो चुके हैं, लेकिन सरकार और विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अभ्यर्थी 2 अक्टूबर से धरनास्थल नया रायपुर में धरने पर बैठे हैं, लेकिन अब तक किसी भी सरकारी प्रतिनिधि ने उनकी सुध नहीं ली है।अभ्यर्थियों ने कहा है कि वे जल समाधि भी ले चुके हैं और दशहरा भी धरनास्थल पर मनाया है। इसके अलावा, उन्होंने सड़कों पर चाय बेचकर न्याय की भीख भी मांगी है। अब मानसिक रूप से परेशान होकर वे बड़ी संख्या में मंत्रालय सचिव के पास पहुंचे हैं और हाथ में नियुक्ति पत्र की मांग का बैनर लिए बैठे हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)